

Classification of sound

स्थानानि : प्रयत्नाः
(Points of articulation) • (Efforts of pronunciation)

1. कण्ठः	आवाजनम्	
2. तालु	1. स्पर्ष्टम् (contacted)	2. इषत्-स्पर्ष्टम् (slightly conta)
3. मूर्ध्नि	3. इषद्-विवृतम् (slightly open)	4. विमृतम् (open)
4. कंठाः	5. संवृतम् (tight)	
5. ओष्ठौ		
6. ताम्रिका		
7. कण्ठ-तालु		
8. कण्ठोष्ठम्		
9. दन्तोष्ठम्		

```

graph TD
    A[व्यञ्जन] --> B[स्वर]
    A --> C[अस्वर]
    C --> D[अघोष]
    C --> E[घोष]
    D --> F[नासिक्य]
    D --> G[तन्त्र]
    E --> H[अनुनासिक्य]
    E --> I[तन्त्र]
    B --> J[दीर्घ]
    B --> K[ह्रस्व]
    J --> L[संज्ञित]
    J --> M[अज्ञित]
    K --> N[संज्ञित]
    K --> O[अज्ञित]
  
```

व्यञ्जन

स्वर

अस्वर

अघोष (Voiceless)

घोष (Voiced)

नासिक्य (Nasal)

तन्त्र (Tongue)

अनुनासिक्य (Nasal)

अज्ञित (Unmarked)

संज्ञित (Marked)

दीर्घ (Long)

ह्रस्व (Short)

संज्ञित (Marked)

अज्ञित (Unmarked)

(6) अनुस्वार (-) } अं अः इत्ययः खर् दृश
 } पर्यावन्नुच्चारविमर्गौ कर्कशा मधु

(7) विभक्तिः (-) }

(8) जिह्वामूलीयः ऋ, ए, ऐ, औ, यो, वी, शिवादि-
उपधाङ्गीयः ऋ, ए, ऐ, औ, यो, वी, शिवादि-

(9) कखाभ्यां प्रागाद्यविभक्तिसदृशो निष्ठास्यः
पकाभ्यां उपधाङ्गीयः

अञ्जनानां (33)

ਅੰਨਨਾਨ (33)

वर्गीय व्यञ्जनानि - क ख ग घ ङ [क-ख (कु)
च छ ज झ ञ [च (कु)
ट ठ ड ढ ण [ड (कु)
त थ द ध न [तु]
प फ ब भ म [पु]

अवर्गीय व्यञ्जनानि -

3। वर्गीय व्यञ्जनाणि -

ਧ ਕ ਲ ਰ
ਸ ਪ ਧ ਧ

उच्चारण स्थानानि.

1. अकुहविमर्जनीयानां कषः
2. इचुयशानां तालु
3. अकुहविमर्जनीयानां भूषा
4. लृनुलसानां दन्ताः बहुवचन
5. उपध्मातीयानाम् औषा वि वचन
6. अमङ्गानां नासिक

एवैतोः कष तालु
ओवैतोः कषौषम् कष + ओषम्
वकारस्य ~~कषौषम्~~ दन्तोषम्
दन् + ओषम्

आन्तरप्रथलाः

1. संपृष्टम् (fully contacted)
2. इषत्-संपृष्टम् (slightly contacted)
3. य, र, ल, व (अन्तस्थाः/Semi-vowels)

यणोऽन्तस्थाः

1. इषत्-विवृतम् (slightly open)
2. श, ष, स, ह (अस्माः/Sibilants)

शल अस्माः

विवृतम् (fully open)

3. ओ, औ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ए, ऐ
4. ओ, औ विवृतम् स्वरानाम्

संपृष्टम् (tight)

ह्रस्वस्यावर्णस्य प्रयोगे
संपृष्टम्

बाह्य प्रथलाः

1. अवोषः/घोषः (अप्लन)

1. अवोष (no vibration) /
अवास / विवारि (mouth open) /
कर्मश / अरु / आदव

2. क, ख, च, छ, ट, ठ, तथ, प, फ

श, ष, स
अरो विवारिः श्वास। अवोषाश्च

2. घोष (vibration) /

ताव / संवार (mouth slightly close)

मृदु / ह्रस्व / गोपाल

3. ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण

द, ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व

ह्रस्वः संवारा ताव घोषाश्च

8. अल्प प्राणाः/महा प्राणाः (अप्लन)

1. अल्प प्राणाः less air from stomach

क ग ङ
च ज ञ
ट ठ ण
त द न
प ब म

य र ल व

2. महा प्राणाः - more air from stomach

अ घ
छ झ
ठ ढ
थ ध
फ भ

श ष स ह

C. Accent on vowels

1. उदात्तः - अ, इ, उ उच्चैरुदात्तः
2. अनुदात्तः - आ, ए, औ नीचैरनुदात्तः
3. स्वरितः - ई, ऊ, ॠ, ॡ समाहारः स्वरितः

मुखनासिकावयवोऽनुनासिकः

मुखनासिकावयवोऽनुनासिकः वर्णोऽ
18 varieties of अ अनुनासिक संज्ञाः

अनुनासिकः	अनुनासिकः					
	ह्रस्वः	दीर्घः	लुप्तः	ह्रस्वः	दीर्घः	लुप्तः
अवर्णः	अ	आ	आइ	अँ	आँ	आँइ
अनुदात्तः	अु	आु	आइ	अँ	आँ	आँइ
स्वरितः	अं	आं	आँइ	अं	आं	आँइ

• अवर्णः - पुण्याः स्य प्रथमं सवर्णम्
Sounds are considered अवर्णः
each other when their उच्चारण स्थान
• आन्तरप्रथलाः are same

Sec 10.7 of vol. 2

अ, इ, ए, उ, ऋ, ॠ, ए, ऐ, औ
क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, द, न, प, ब, भ, म, य, र, ल, व

• विवर्ण उच्चारण

शमः ३

शमाः ३

हरिः ३

मुदीः ३

गुरुः ३

वधूः ३

हरेः ३

गुणैः ३

गुरोः ३

धीः ३

For proper pronunciation

②

1. भीष्म बैष्म
2. अक्षरों की उच्चारण शब्दों का नहीं
3. ह्रस्व की विचार
4. अल्पप्राण, महाप्राण
5. गतिमिता अधिकोऽस्ति
6. बलाघात का विचार

Common mistakes

• ऐ as ए मैत्र

• ओ as औ गौरव

short औ

लोक मोर्द मोर्द अस्ति लोका

• फ not as in फरिश्ता, father

• समता, समता

• अ के पहले ह नहीं आता

मैत्रेयी → मैत्रेय

कोष → कोश

पाण्डव → पाण्डो

मित्र = मित्र + द

ज = ज + अ + अ + अ

= ज + अ + अ + अ + अ

जो. कुः कुम्

श = श + अ + अ + अ + अ

भक्त → भक्त

उच्चारण स्थानानि -

1. अकुठ निर्मजनीयानां कण्ठः
2. अकुठशानां तालु
3. अकुठधाणां मूर्धा
4. अकुठमानां क्ताः अकुठचन
5. अकुठमानां यानाम् औष्ठं विचन
6. अकुठगतानां नासिका

एवैतोः कण्ठ तालु
ओवैतोः कण्ठोष्ठम् कण्ठ + ओष्ठम्
वकारस्य ~~कण्ठोष्ठम्~~ दन्तोष्ठम्
दन्त + ओष्ठम्

आन्तरप्रयत्नाः

1. स्पृष्टम् (fully contacted)
क, च, ट, त, प वर्ग (स्पर्शाः)
कादयो वावसानाः स्पर्शाः
2. ईषत्-स्पृष्टम् (slightly contacted)
क, च, ट, त, प वर्ग (अन्तस्थाः/semi-vowels)

यणोऽन्तस्थाः

1. ईषत्-विवृतम् (slightly open)
क, च, ट, त, प वर्ग (अस्माः/sibilants)

शल अस्माः

1. विवृतम् (fully open)
क, च, ट, त, प वर्ग (अस्माः/sibilants)

क, च, ट, त, प वर्ग (अस्माः/sibilants)
ओ, ओ विवृतम् स्वरानाम्

संवृतम् (tight)

क, च, ट, त, प वर्ग (अस्माः/sibilants)
ह्रस्वस्यावर्णस्य प्रयोगे संवृतम्

बाह्य प्रयत्नाः

1. अधोषः/धोषः (अज्जन)

1. अधोष (no vibration) /
अवांस / विवारे (mouth open) /
कर्म / अरु / यादव
क, च, ट, त, प वर्ग

अरो विवाराः श्वासा अधोषाश्च
2. धोष (Vibration) /

ताद / संवार (mouth slightly close)
मृदु / हृद / गोपाल

क, च, ट, त, प वर्ग
द, ध, न, म, य, र, ल, व

ह्रस्वः संवारा ताद धोषाश्च

1. अल्प प्राणाः/महा प्राणाः (अज्जन)

1. अल्प प्राणाः less air from stomach

क, ग, ङ
च, ज, ञ
ट, ड, ण
त, द, न
प, ब, म

म, र, ल, व

2. महा प्राणाः more air from stomach

अ, इ, उ
ए, ओ
क, ख, ग, घ, ङ
च, ज, ञ
ट, ड, ण
त, द, न
प, ब, म

वर्गानां द्वितीय चतुर्थे

शलश्च महाप्राणाः

C. Accent on vowels

1. उदात्तः - अ, इ, उ उच्चैरुदात्तः
2. अनुदात्तः - अ, इ, उ नीचैरनुदात्तः
3. स्वरितः - अ, इ, उ समाहारः स्वरितः

मुखनासिकावयवोऽनुनासिकः

मुखनासिकावयवोऽनुनासिकः
18 varieties of अनुनासिक संज्ञाः

	अनुनासिकः			संनुनासिकः		
	ह्रस्वः	दीर्घः	लुप्तः	ह्रस्वः	दीर्घः	लुप्तः
अनासः	अ	आ	आइ	अं	आं	आइ
अनुनासः	अं	आं	आइ	अं	आं	आइ
स्वरितः	अं	आं	आइ	अं	आं	आइ

• शवर्णः - मुख्याः शवर्णानि शवर्णम्
sounds are considered शवर्णम्
each other when their उच्चारण स्थान
of आन्तरप्रयत्न are same

sec 18.7 of vol. 2

क, च, ट, त, प वर्ग
क, च, ट, त, प वर्ग

विशेष उच्चारण

शमः ह

शमाः ह

हरिः ह

मुधीः ह

गुरुः ह

वधूः ह

हरेः ह

गुणैः ह

गुरोः ह

धीः ह

For proper pronunciation ②

1. शीघ्र बैठना
2. अक्षरों का उच्चारण शीघ्रता से नहीं
3. ह्रस्वता का विचार
4. अल्पप्राणा, महाप्राणा
5. गतिमिता अधिको ध्वनि
6. बलाघात का विचार

Common mistakes

- ऐ as ए मैत्र
- औ as ओ गौरव
- शब्द ओ
- कोई कोई लोहो अनेक जीव
- क not as न सारिणी, ईवर्तन
- समता, समता
- अ के पहले इ नहीं लगता
- ऐवरी → मैत्रेई
- कोवत → कोरो
- पावत → पावो
- मित्र = मित्र + ट
- त = अ + अ + अ
- = अ + अ + अ + अ
- जो कुः कुम्
- त = अ + अ + अ + अ
- भवत → भवत

अ आ

इ ई उ ऊ ऋ ॠ लृ लृ

ए ऐ ओ औ

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

गोपाल

विष्णुवास

सर्वेश्वरः → स्वर

दशावताराः

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ लृ लृ

ए ऐ ओ औ

वर्णमाला

त्रिविक्रमः → दीर्घ

क्षेत्रः

इ ई उ ऊ ऋ ॠ लृ लृ ए ऐ ओ औ

देशः

इ ई उ ऊ ऋ ॠ लृ लृ

अन्ताः

अ आ इ ई उ ऊ

पतुः भन्ताः

इ ई उ ऊ

पतुर्भुजाः

उ ऊ ऋ ॠ

पतुर्व्यूहाः

ए ऐ ओ औ

७ → विष्णुचक्रम्

८ → विष्णुचापः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

७ : विष्णुसर्गः

आ + अ, आ = आ
इ + इ, ई = ई
ऊ + उ, ऊ = ऊ
ऋ + ऋ, ॠ = ॠ
ॡ + ॡ, ॢ = ॢ

अवर्गवर्ध

अ, आ + इ, ई = ए
अ, आ + उ, ऊ = ओ
अ, आ + ऋ, ॠ = अर्
अ, आ + ॡ, ॢ = अल

गुण

अ, आ + ए, ऐ = ऐ
अ, आ + ओ, औ = औ

नृदि

इ + सर्वेश्वर
↓
यु + सर्वेश्वर
उ, ऊ + सर्वेश्वर
↓
वृ + सर्वेश्वर
ऋ, ॠ + सर्वेश्वर
↓
ॡ + सर्वेश्वर
ॢ + सर्वेश्वर
↓
ॣ + सर्वेश्वर
। + सर्वेश्वर
↓
॥ + सर्वेश्वर
० + सर्वेश्वर
↓
अ + सर्वेश्वर
↓
अय + सर्वेश्वर
ऐ + सर्वेश्वर
↓
आय + सर्वेश्वर

यण

इक → यण

इ उ ऋ ॠ → य व र ल

अथाथवर्

ओ + सर्वेश्वर → अव + सर्वेश्वर
औ + सर्वेश्वर → आव + सर्वेश्वर

Special rules

56 end of विष्णुपद (ए, ओ) + अ-राम
→ अ-राम × हरे [पूर्व रूप]

eg वने + अहम् → वनेऽहम्

57 If य् or अय् &

व् or अव्

are @ the end of विष्णुपद

य् or अय् & व् or अव् are optional deleted

when य् or व् is deleted they do not undergo further संधि eg. उह 1.6

सर्वे + एव

सर्वे + व् + ए + ऐ + व् + अ

अय् अ

now य् or अय् is deleted & अ does not undergo further संधि

सर्वे एव

58 ओ + संबोधन &

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ + सर्वेश्वर

→ no संधि

eg अ अतन्त, उ अच्युत
no संधि

59 ई, ऊ, ए + विवचन + सर्वेश्वर

→ no संधि

eg हरी + अत्र → no संधि

गणीवादि are an exception to this rule.

अ + ः + अ
↓
अ + उ + अ
ओ + अ
ओऽ

eg. दासः + अहम्
अ + ः + अ
दासोऽहम्

• सर्वेश्वर + ः + क/ख
निष्प्रभातीयः (X) sound from the root of tongue

अ + ः + (सर्वेश्वर other than अ)
↓
हर एग. अर्जुनः + उवाच
अर्जुन उवाच

(क) सर्वेश्वर + ः + य/र
↓
य/र एग. रामः + य
रामश्च

अ + ः + गोपाल
↓
अ + उ
ओ + गोपाल
eg. नमः + नमः
अ + ः + न
ओ + न
नमो नमः

सर्वेश्वर + ः + ट/ठ
↓
ष एग. रामः + टीकते
राम टीकते
सर्वेश्वर + ः + त/थ
↓
स् एग. रामः + ते
रामस्ते

आ + ः + सर्वेश्वर / गोपाल
↓
हर एग. जनाः + आगच्छन्ति
आ + (३) + आ
↓ x हर
जना आगच्छन्ति

• सर्वेश्वर + ः + प/फ
↓
अपह्मानीय (X) sound from blow of rounded lips
• सर्वेश्वर + ः + श/ष/स्
श/ष/स्

इव + ः + सर्वेश्वर / गोपाल
↓
इ एग. हरेः + मामि
हरे + ः + न
↓
हरे नमि
विष्णुसर्ग 10th of २
eg. प्रातरुत्तर, अन्तरुत्तर
प्रातः + अत्र
अ + ः + अ
↓
प्रातरात्र

Special rules
(81) भो, भगो, अद्यो + ः + सर्वेश्वर / गोपाल
↓
हर no further संधि
eg. भोः + अनन्त → भो अनन्त
optionally
→ भो, भगो, अद्यो + ः + सर्वेश्वर
↓
य/र no further संधि
eg. भोः + अनन्त
↓
भोचानन्त

अ + ः + (सर्वेश्वर other than अ, विष्णुसर्ग)
↓
हर
अ + ः + एव → अ एव
अ + ः + पुष → अ पुष
अ + ः + अ
↓
अ + उ
ओ + अ
↓
ओऽ
eg. अमोलः
ओऽमोलः

(85) ः + अहन् → २, if words other than राप्ति, रूप, इत्यन्तर follow
eg. अहः + अहः → अहः सर्वेश्वर, गोपाल
(86) २ deleted when २ follows & कृते वसन्त → प्रिविष

महिषवर मूत्राणि -

स्वर	१वाँ स्वर Simple vowel	अ इ उ ऋ ॠ ऌ ॡ
	२वाँ स्वर Diphthongs	ए ओ ऐ औ
अं ज न	३वाँ स्वर अनुनासिक	ह य व र ऌ ॡ
	४वाँ स्वर हरिचोष	आ भा ञा ध ढ धा
	५वाँ स्वर हरिगुण	ज ण ग ड ढा
	६वाँ स्वर हरिअवग	ख फ छ ठ थ
	७वाँ स्वर हरिकमल	प ट त व क प य
क ग र	८वाँ स्वर Sibilants अभाषः	श ष स र ह ल

ऐच् - ऐ औ
अर - 1st, 2nd class कोर
श ष स

चर - च ट त क प ; श ष स
जर - ज ण ग ड ढ

अल - 1st, 2nd, 3rd, 4th class
श ष स ह

अर - 3rd, 4th class

थण - थ व र ल

अर - 3rd, 4th, 5th } मृदु
ह य व र ल

अर - ध ण ढ धा ञा → 4th class
हल - व्यञ्जन

अल - all letters

अर - मृदु + स्वर = अर + अच

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

अल - अल -> अल अल अल अल
अल - अल -> अल अल अल अल

Last व्यञ्जन of each मूत्र is अल

प्रत्याहार - group of letters starting from
the first letter of the प्रत्याहार
and ending with but not including
the final अल letter
eg. प्रत्याहार (अंकोप)

अच - अ इ उ ऋ ॠ ए ओ ऐ औ - स्वर

अल - अ इ उ ऋ ॠ - Simple vowel

अण - अ इ उ

अण - अ इ उ ऋ ॠ ए ओ ऐ औ
ह य व र ल

अर - स्वर, थ र ल व ह

अर - इ उ ऋ ॠ

अर - इ उ ऋ ॠ ए ओ ऐ औ

अण - इ उ ऋ ॠ ए ओ ऐ औ
थ र ल व ह

अर - ए ओ

अच - ए ओ ऐ औ

अर - all व्यञ्जन except ह

अवसान - absence of letter/syllable
stop

अच - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th

अर - थ र ल व

अच - 1st, 2nd, 3rd, 4th class

३१ (२) ४५

[illegible]

1 वा: अक्षरों: प्रथम: अक्षर: → प्रथम अक्षर: , द्वितीय: 3 वा → अक्षर 3 वा

#2) अ: + आ/इच् → अ + आ/इच् eg. अनः उवाच → अन उवाच

9) $\sin A + \sin B \Rightarrow \sin A + \sin B = 2 \sin \frac{A+B}{2} \cos \frac{A-B}{2}$

1920

$$30 \frac{1}{2} \times 2 + 2 \frac{1}{2} \times 2 = 71 \frac{1}{2} \text{ m. of } \text{H}_2\text{O}$$

प्राप्तः : ४ दिवसः → प्रति दिन

अः + ह्य → आ + ह्य इति → ओ वेति; गच्छतः गच्छात् → गच्छते अय

114 $101 + 3107 = 3208$ $101 + 3107 = 3208$ $101 + 3107 = 3208$

$$21.25 : 31.141 = 21.25 \cdot \sqrt{1.471}$$

ਅੰਕ: ੨੨ - ਅੰਕਿਤ

1. $\text{अच} + : + \text{क/ख} \rightarrow \text{अच} + : + \text{क/ख}$ e.g. $\text{विचर} : \text{विचर} : \text{विचर} : \text{विचर}$
 2. $\text{अच} + : + \text{प/फ} \rightarrow \text{अच} + : + \text{प/फ}$ e.g. $\text{विचर} : \text{विचर} : \text{विचर} : \text{विचर}$

$$3\sqrt{2} + i + \frac{1}{\sqrt{2}} \rightarrow 3\sqrt{2} + i + \frac{1}{\sqrt{2}}$$

Ex 6. आय + : + च / च / १०१ → अय + अ + पालिश → वेदैः च → वेदैश्च
आय + : + च / च / १०१

अपि + ; + ८/४/५

[illegible]
$$A = \begin{pmatrix} 1/3 & 1/3 & 1/3 \\ 1/3 & 1/3 & 1/3 \\ 1/3 & 1/3 & 1/3 \end{pmatrix}$$

14. $\frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$ $\frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

हनु मास्यः

3. ધત્વમ્ (દ્વિતીયા)

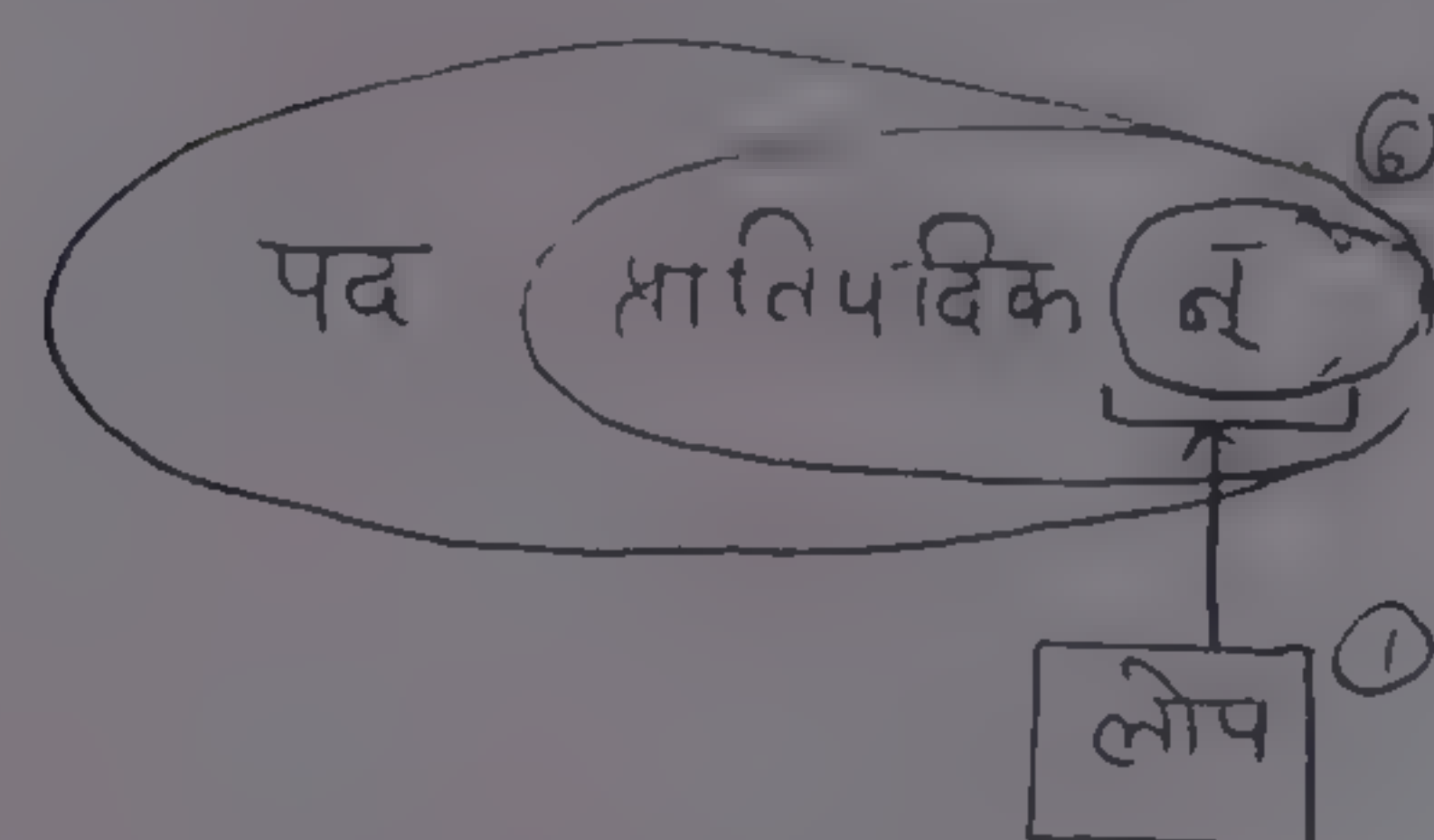
हरे पीले notes are given in the last
3 quarter of Ch-8 of पाठ्यपुस्तक अध्याय
(प्रतिपादी)

- पूर्वत्रासिद्धम् - once a सूत्र in the त्रिपाटी is applied, only the सूत्र which numerically follow will be applicable.

1. न लोपः

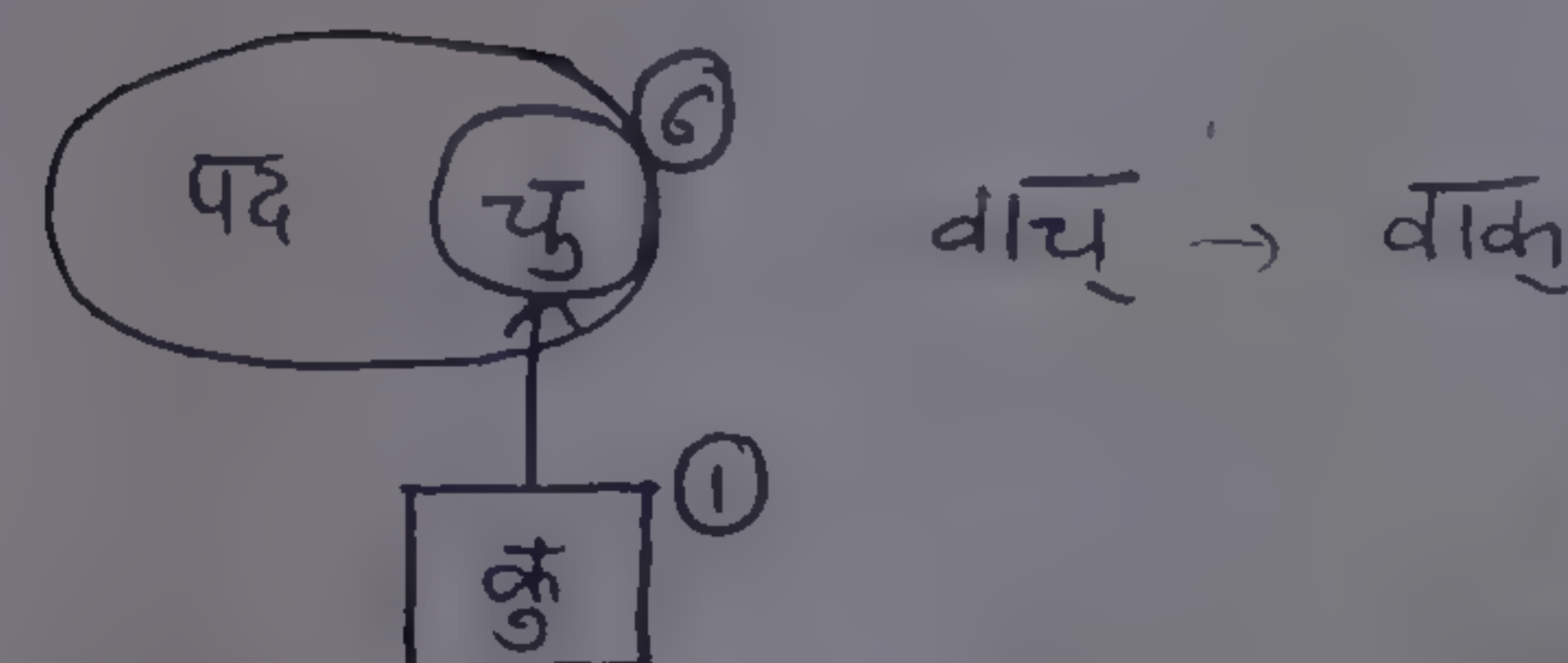
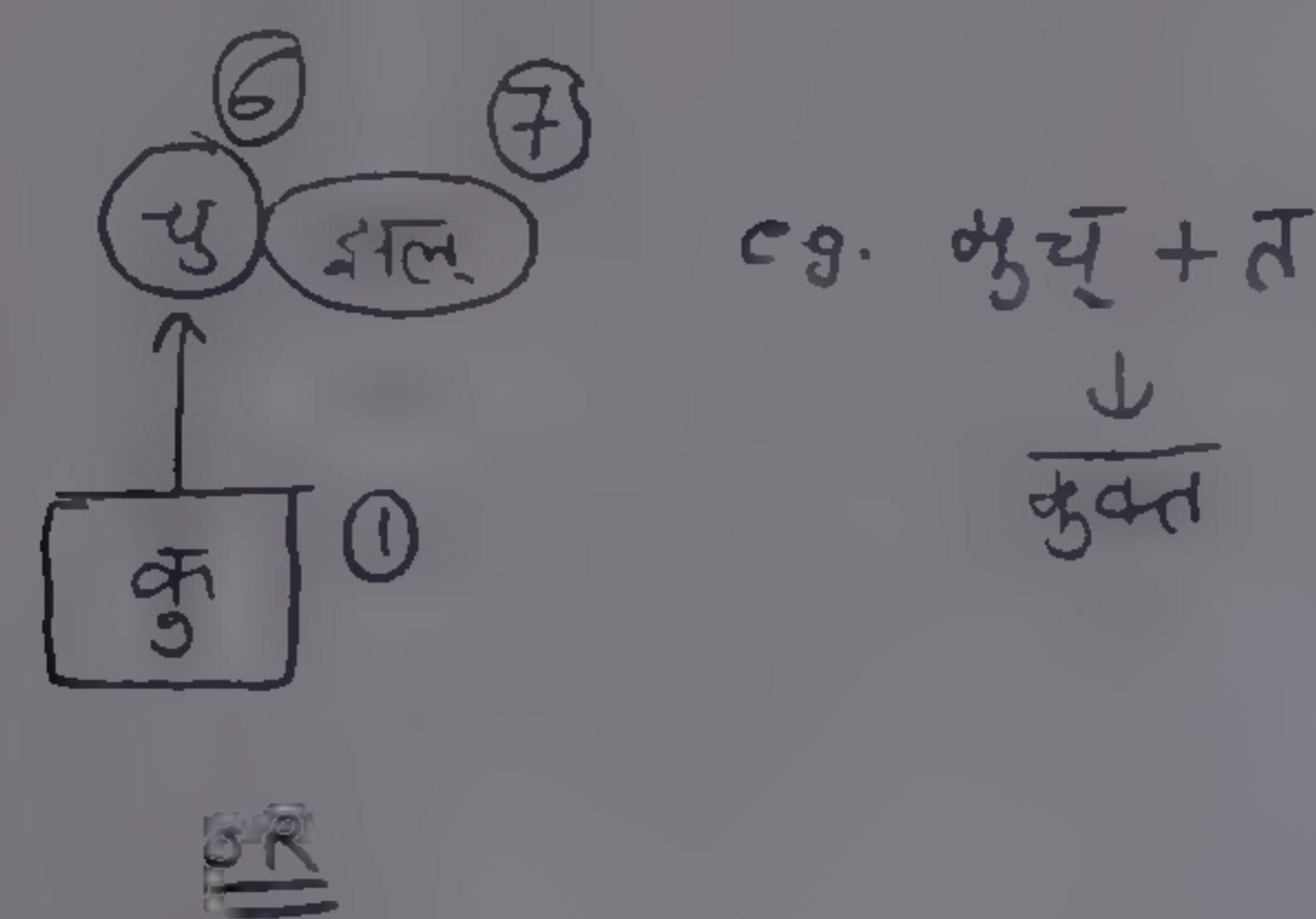
न^{६॥} लोपः^{१॥} प्रातिपदिक^{२॥} अन्तस्य^{६॥} पदस्य^{६॥}

न० @ one end of प्रतिपक्षिक व पद is added.


$$\text{आत्मिन्} + \text{भ्याम्} \rightarrow \text{आत्मिभ्याम्}$$

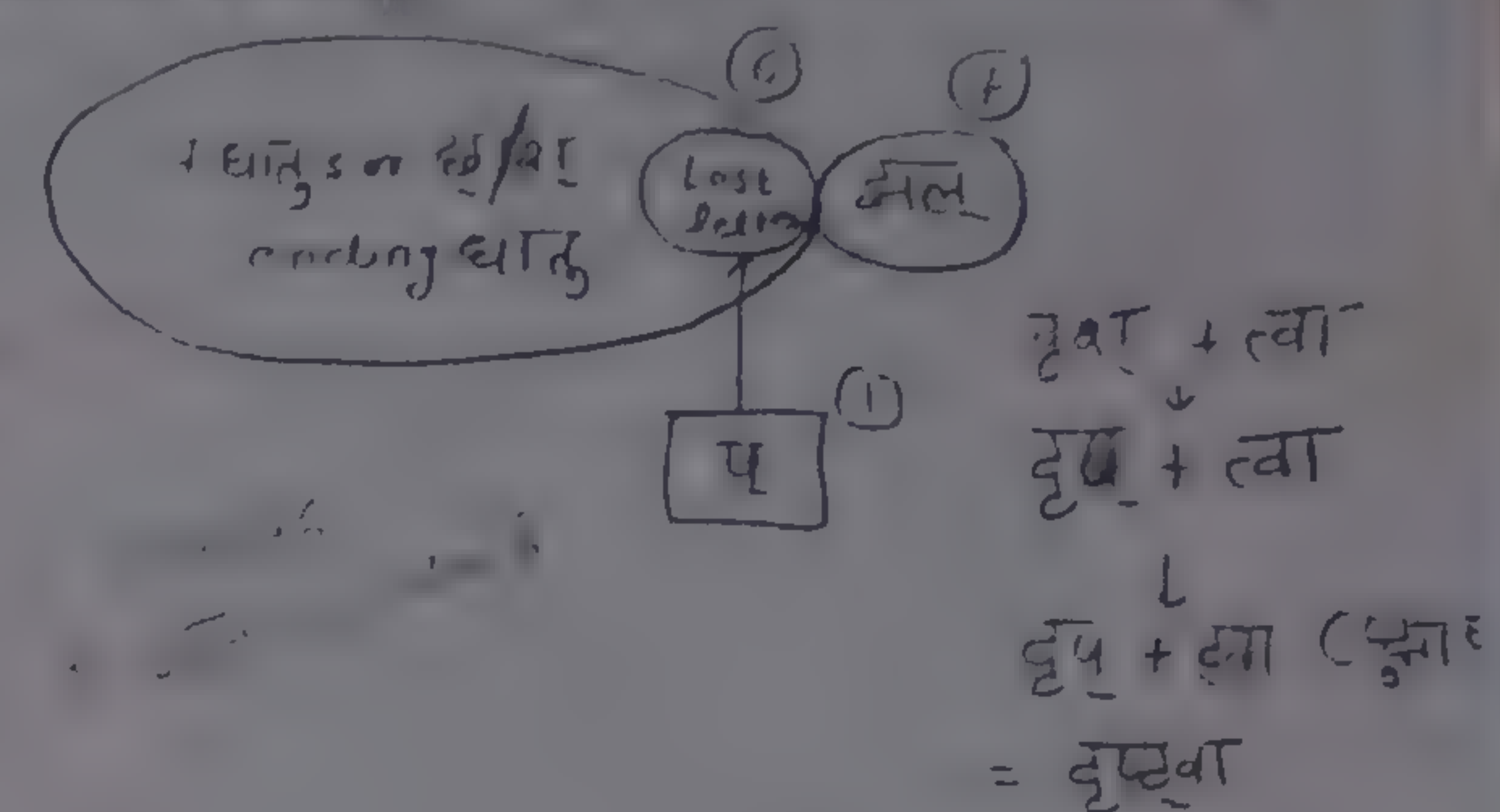
2. कृत्वम्

पोः^{६/१} कुः^{१/१} । ब्रालि^{७/१} पदस्य^{६/१} अन्ते च^{७/१}



प्रमाणित किया जाता है कि ये सभी चीजें 6/3

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$



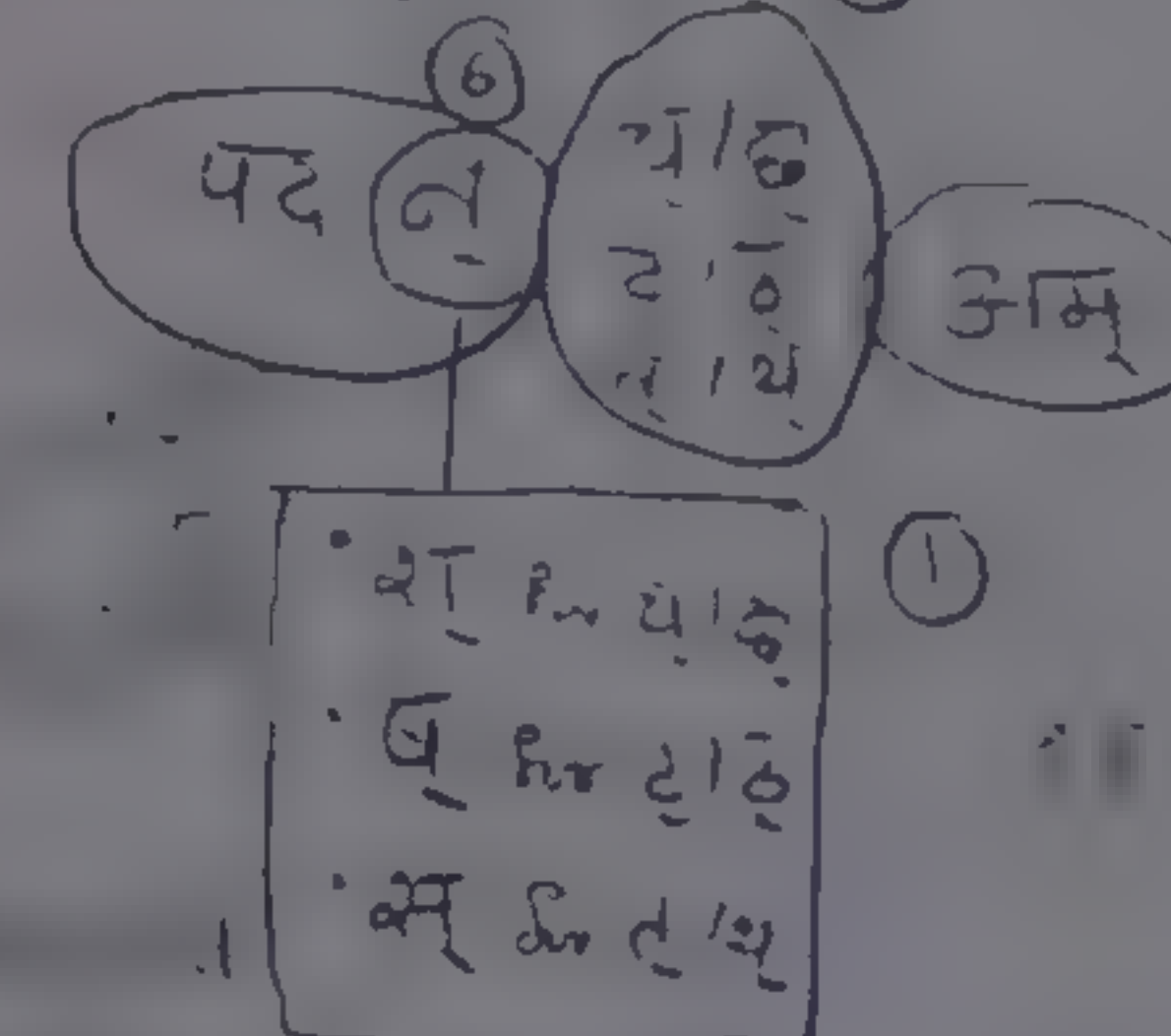
०५ पदभ्य अन्ते

4. કરાત્વમે (કાલ) મેલાં ડશાંકલે

5. धत्तम्

ॐ नमः ततोः यः अथ

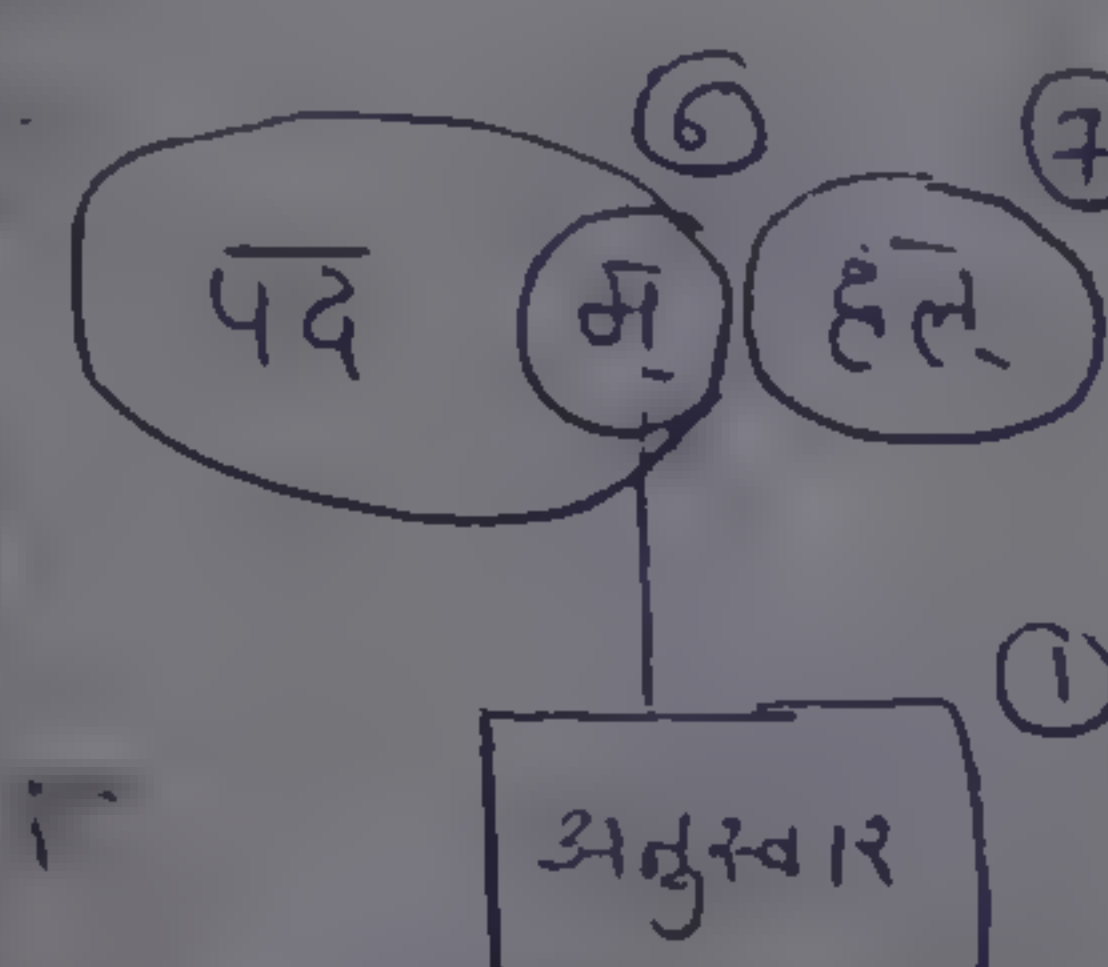
6. अवम (7)



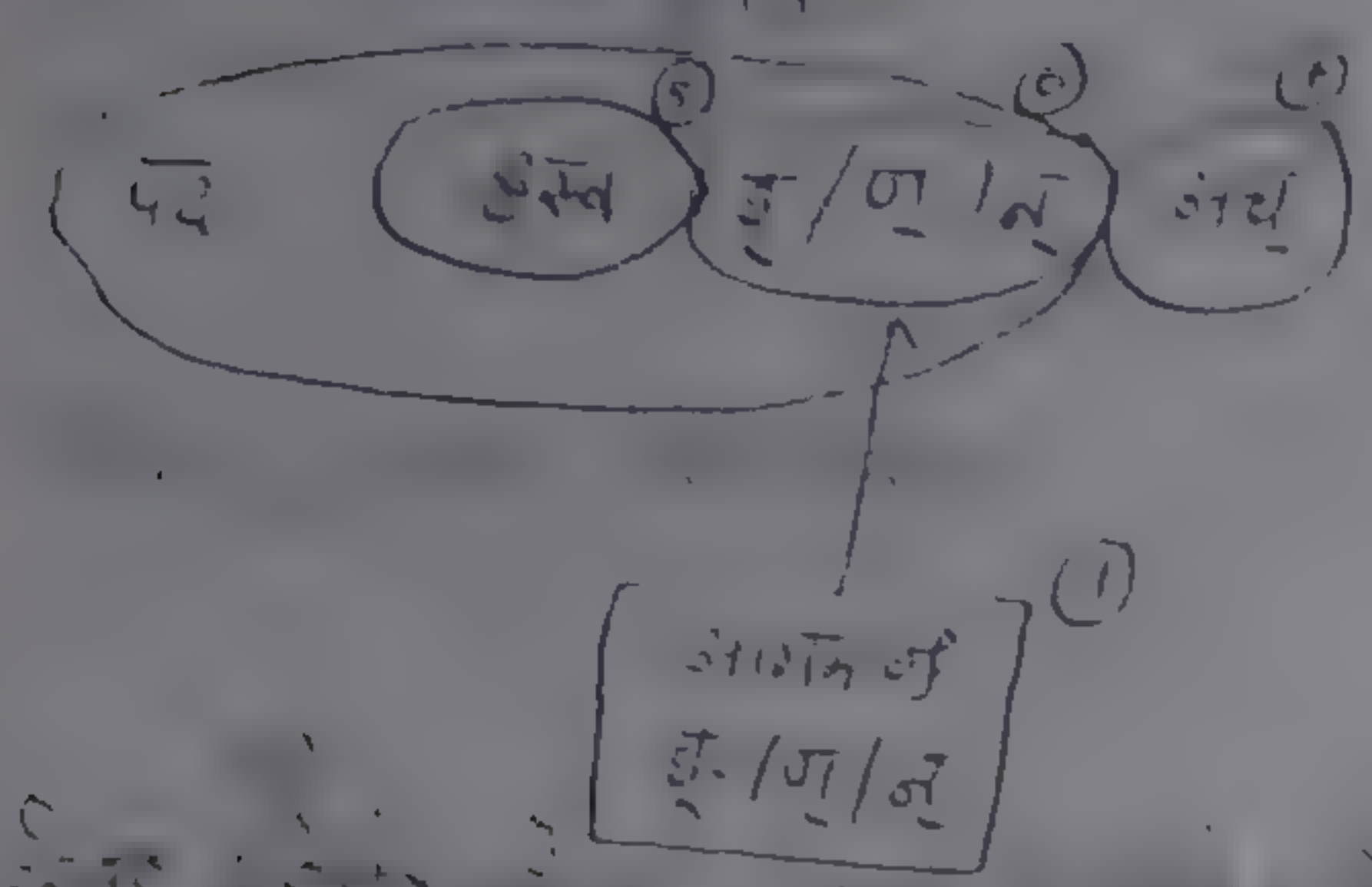
नः छवि अप्रशान ॥ पदस्य अग्रे लः

7 अनुस्वार (किं करोति)

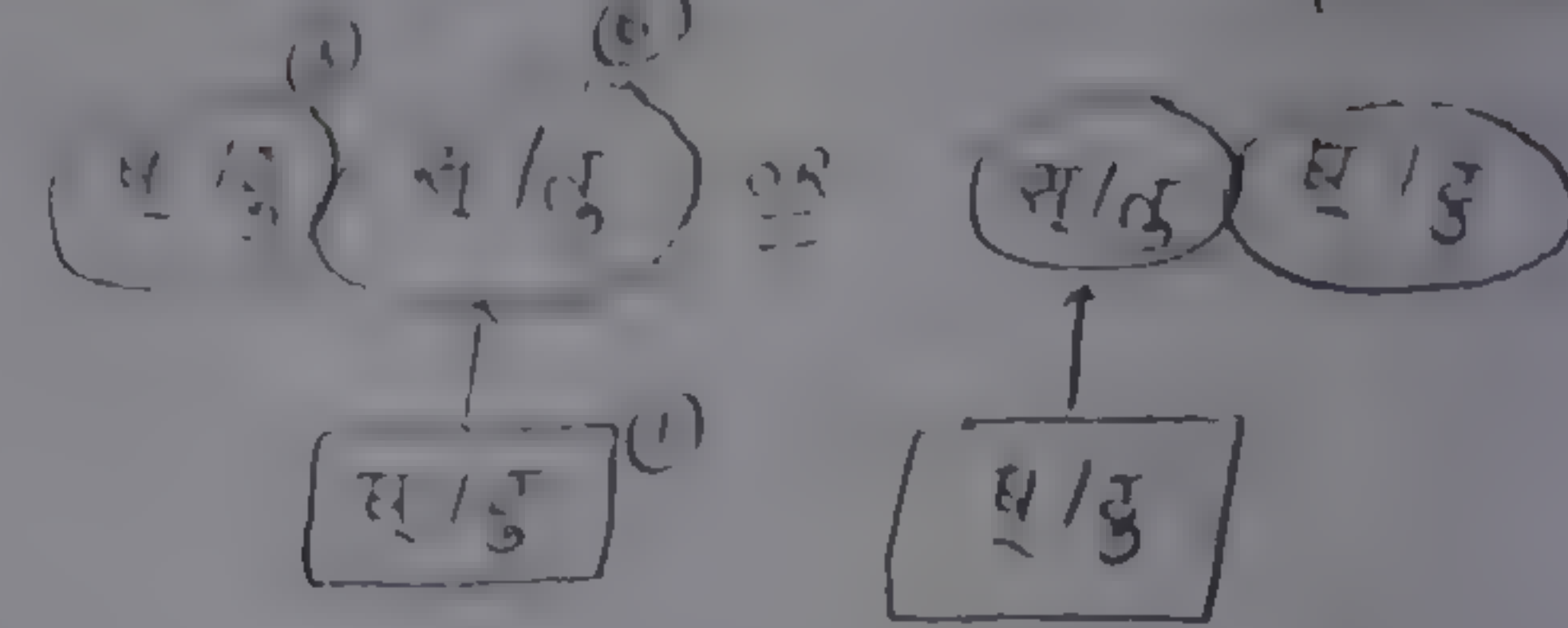
मः अ० सु० वारः । ~ ह० पदस्य



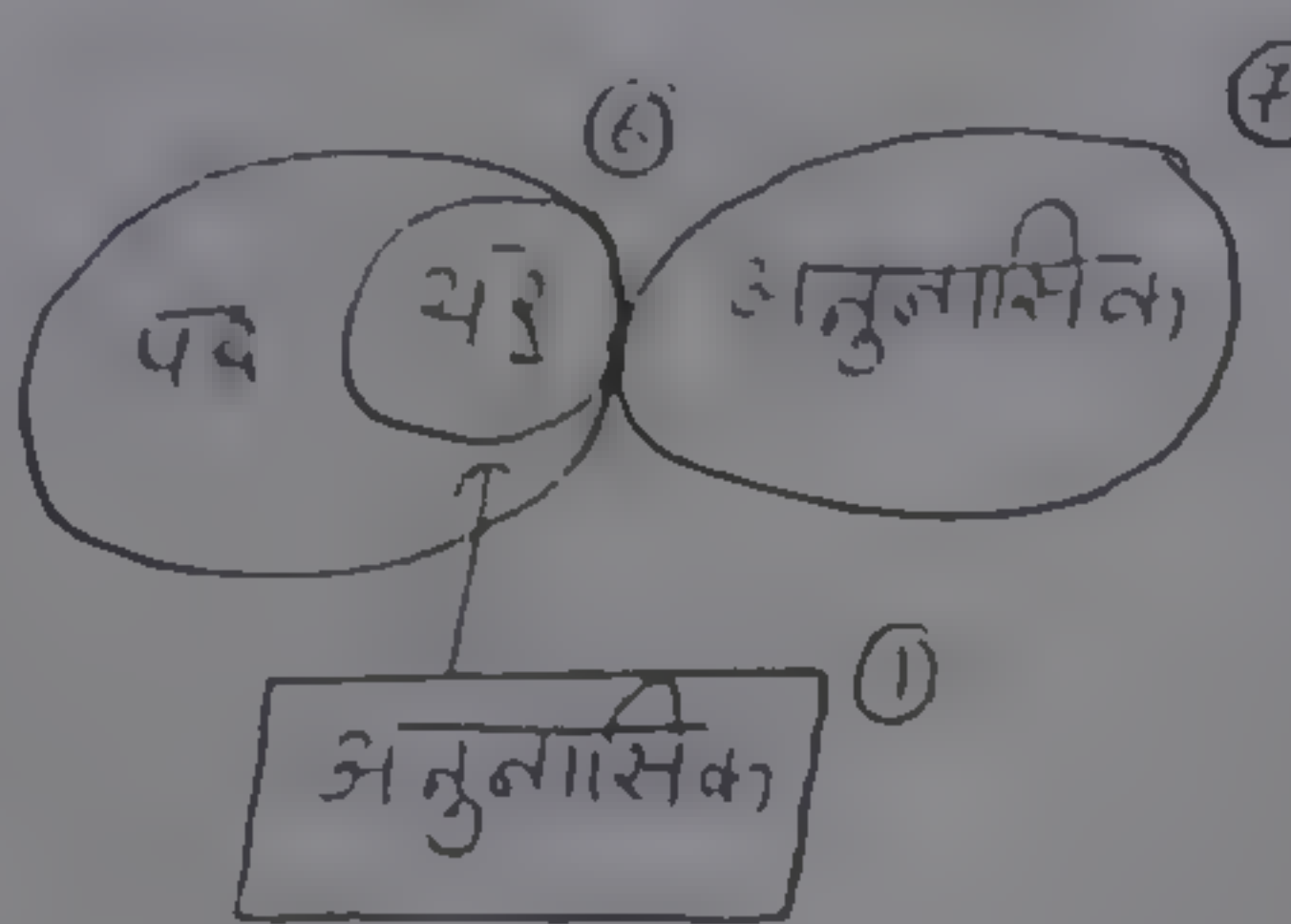
६. इ. कु. आ. ग. म.
 इ. कु. आ. ग. म. इ. कु. आ. ग. म. इ. कु. आ. ग. म.



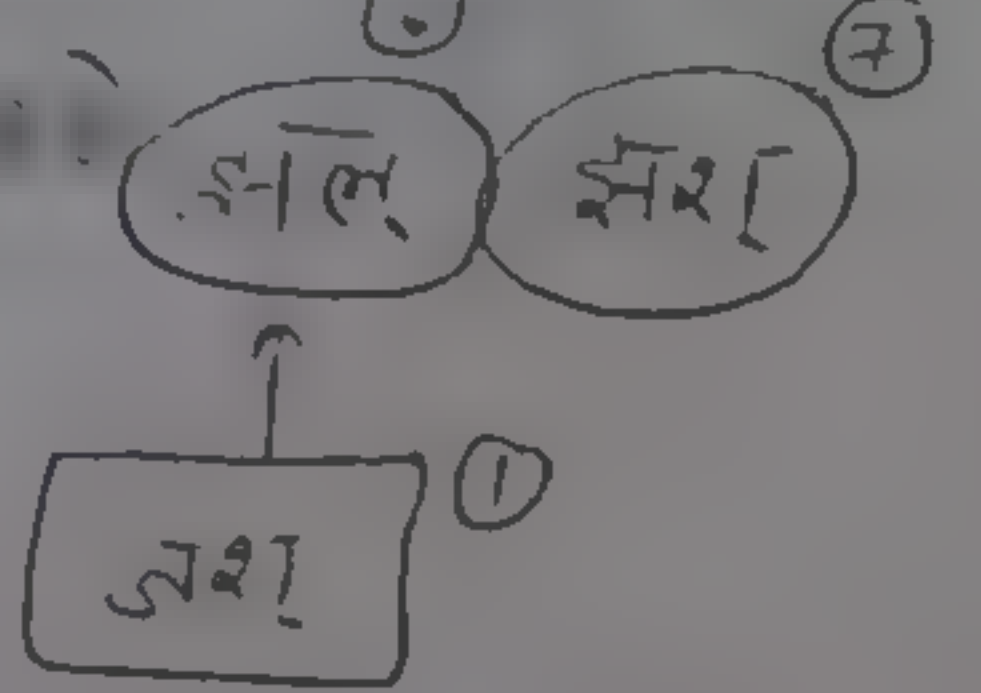
१. कु. आ. ग. म.
 कु. आ. ग. म. कु. आ. ग. म. कु. आ. ग. म.



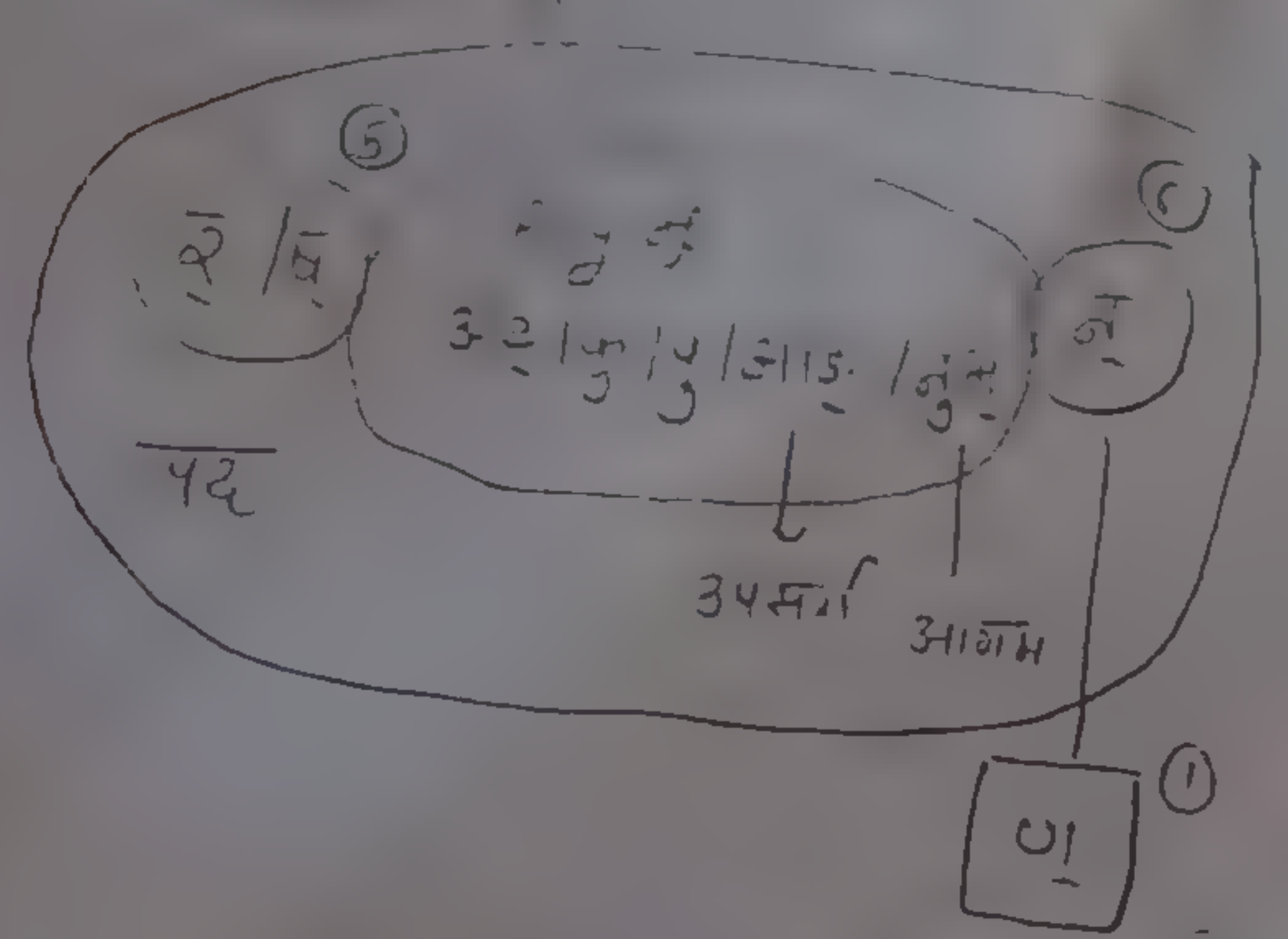
१२. अनुनासिक.
 अनुनासिक. अनुनासिक. अनुनासिक. अनुनासिक.



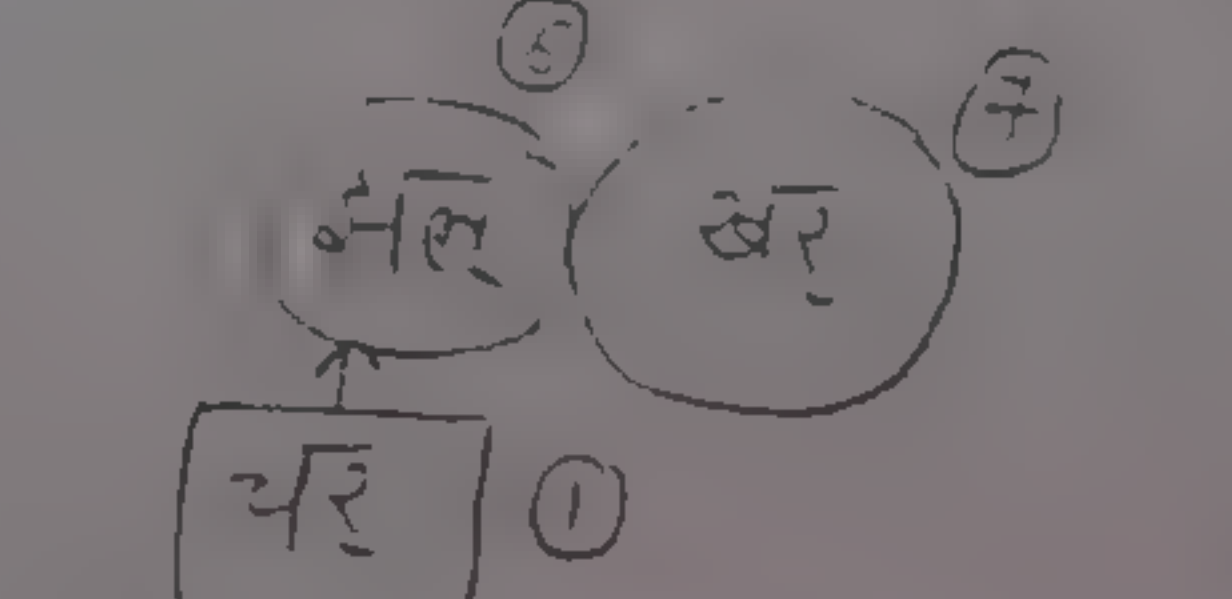
३. जश्त्वम्
 जश्त्वम् जश्त्वम् जश्त्वम् जश्त्वम्.



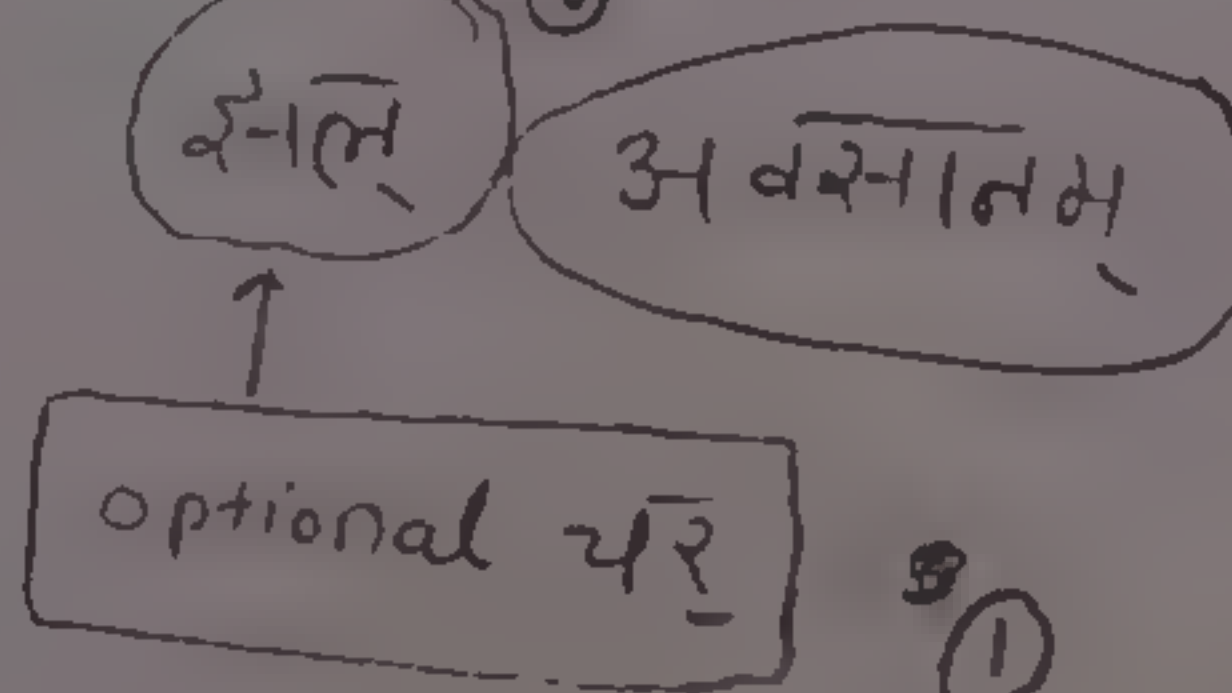
३. जश्त्वम्
 जश्त्वम् जश्त्वम् जश्त्वम् जश्त्वम्.



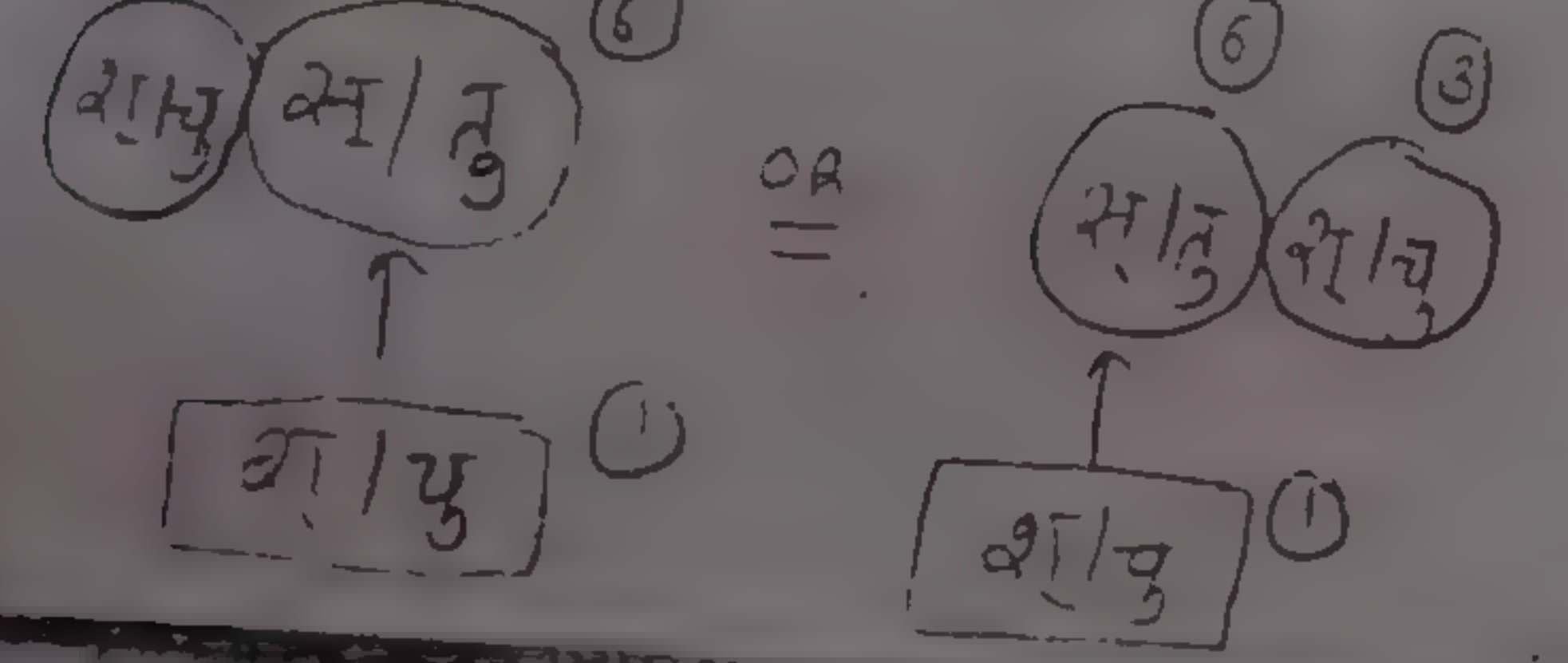
१४. चर्त्तम्
 चर्त्तम् चर्त्तम् चर्त्तम् चर्त्तम्.



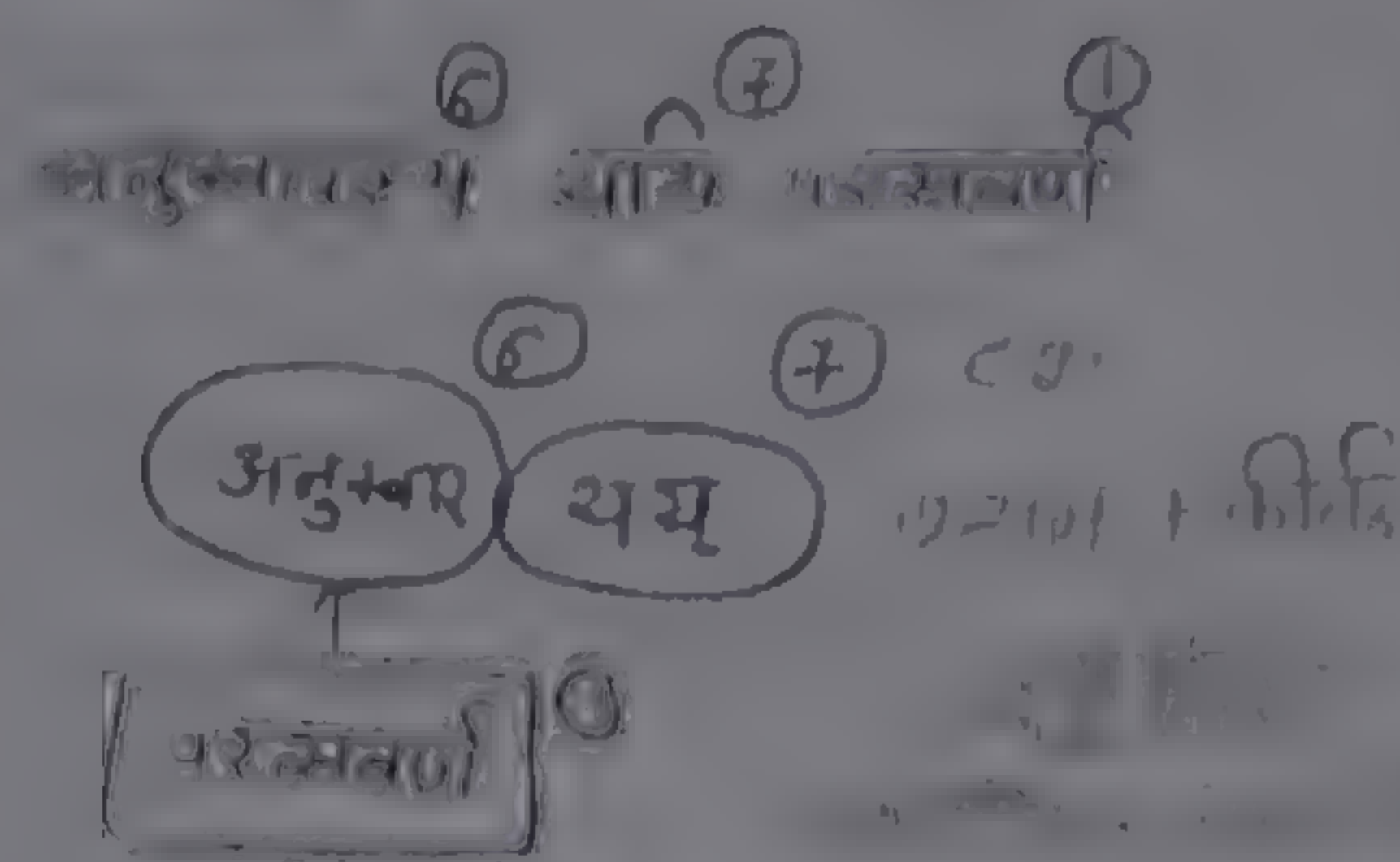
६. वा. अवसाने.
 अवसाने अवसाने अवसाने अवसाने.



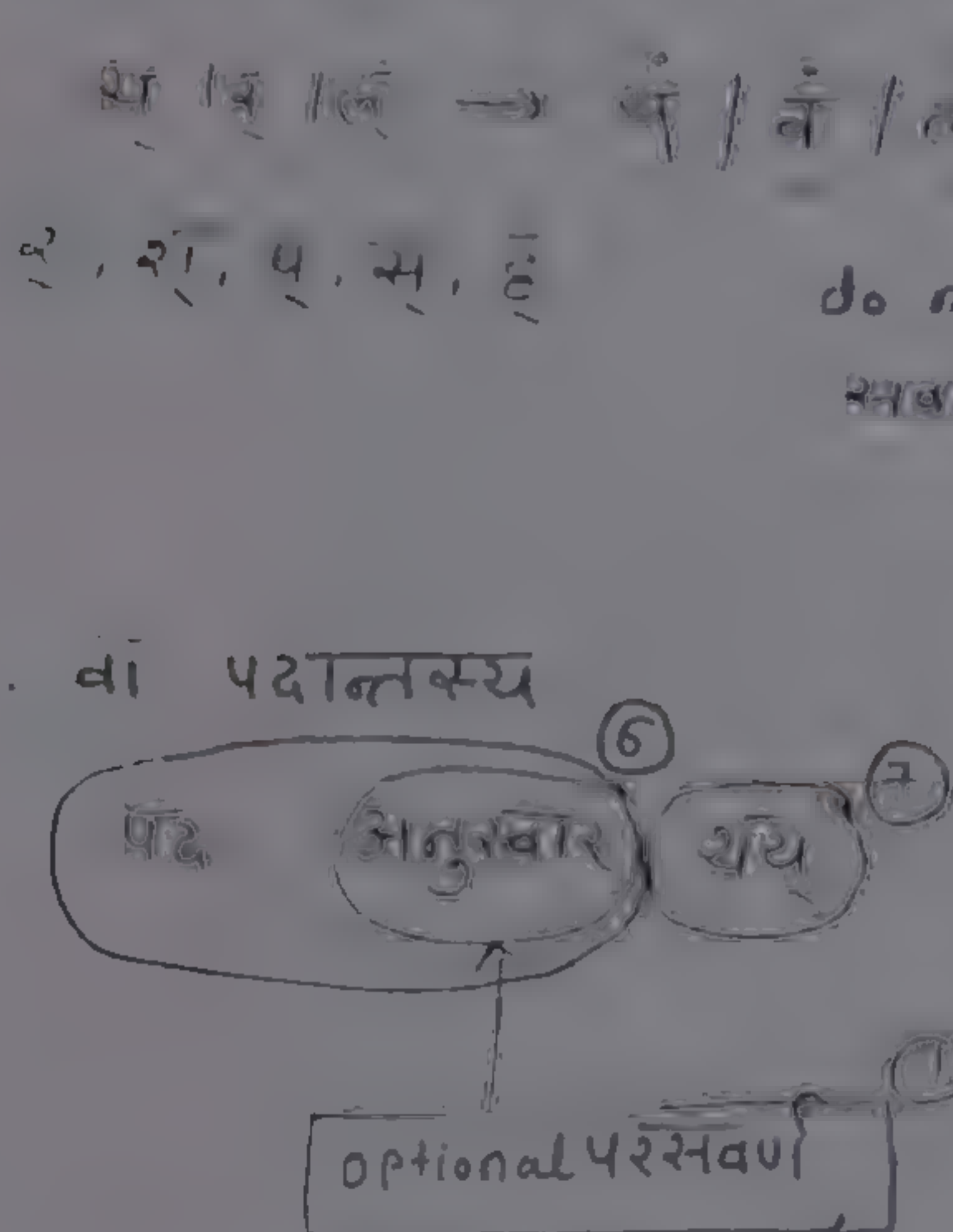
७. श्चुत्वम्
 श्चुत्वम् श्चुत्वम् श्चुत्वम् श्चुत्वम्.



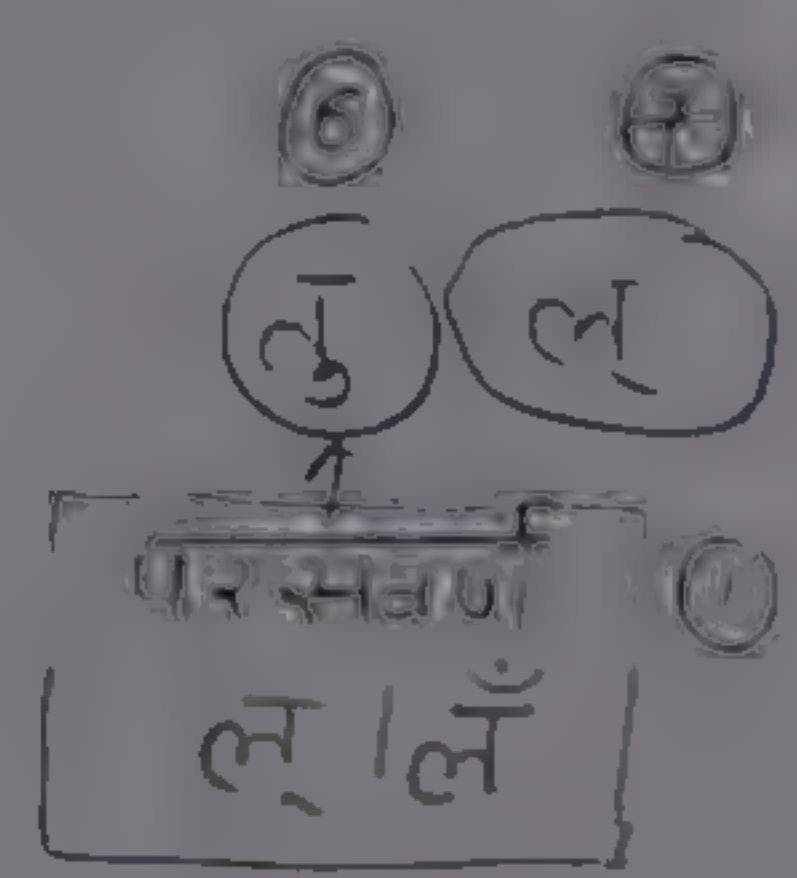
१३. परसवर्ण.
 परसवर्ण परसवर्ण परसवर्ण परसवर्ण.



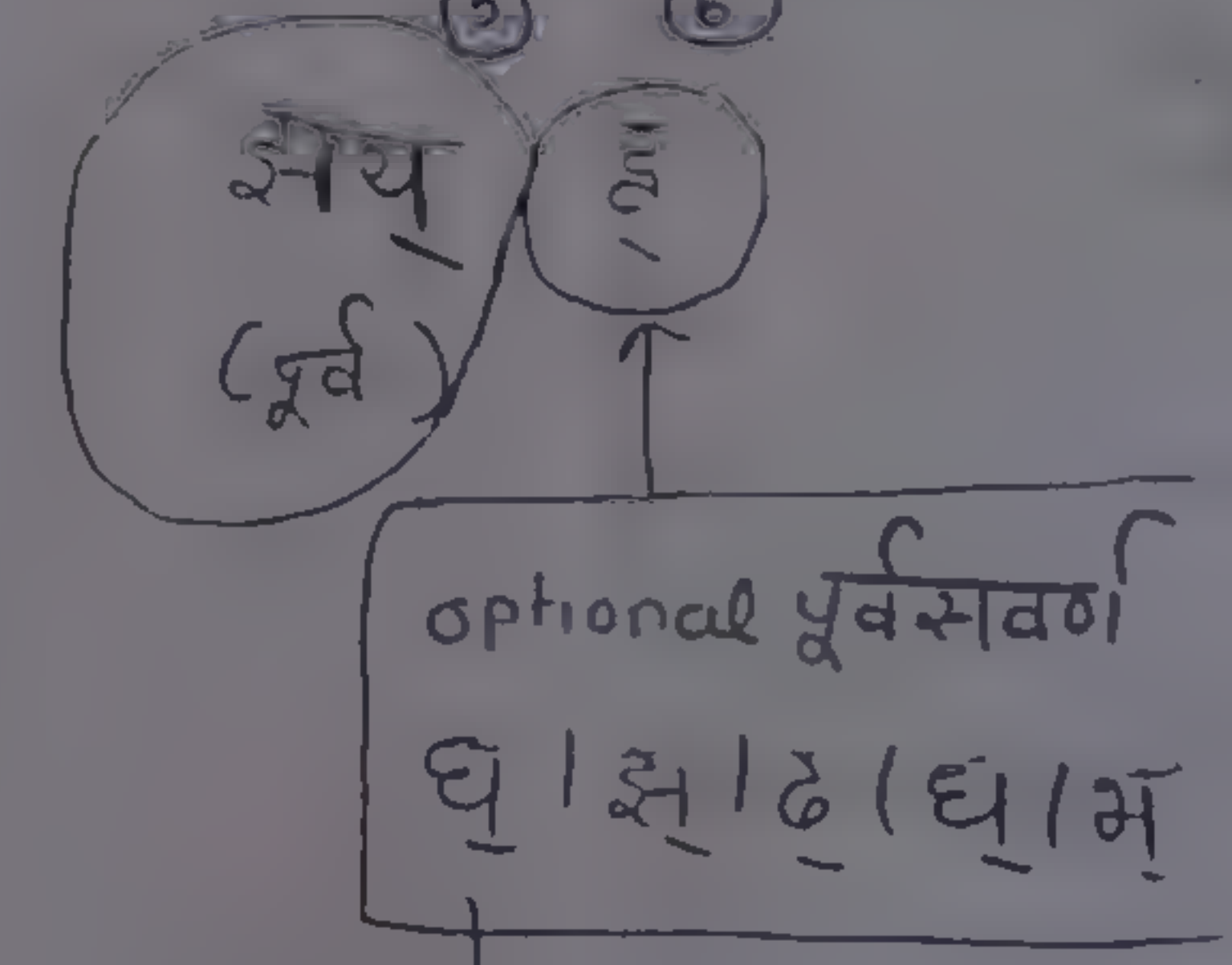
१४. वा. पदान्तस्य
 पदान्तस्य पदान्तस्य पदान्तस्य पदान्तस्य.



१६. तेलि.
 तेलि तेलि तेलि तेलि.



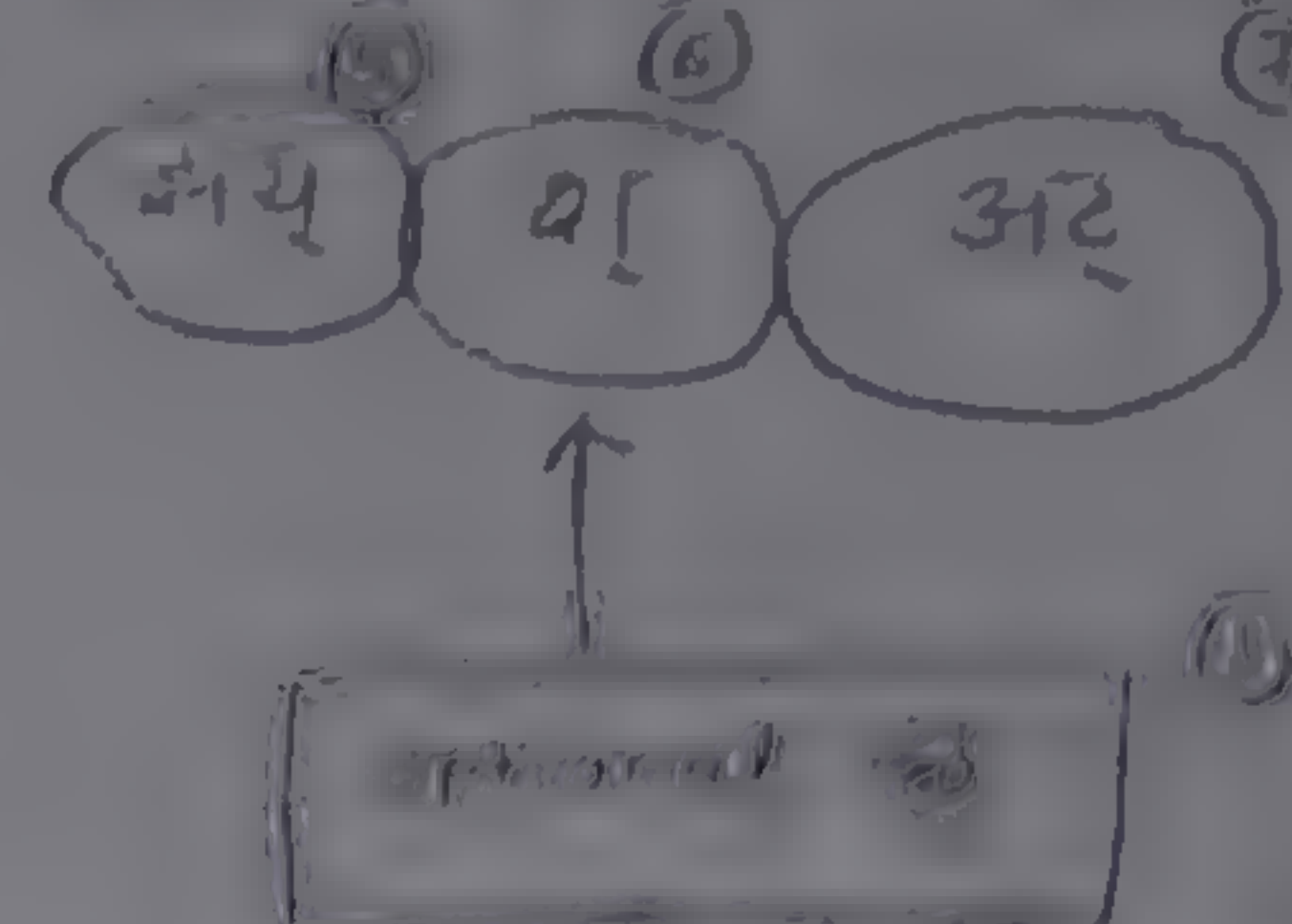
१७. अयो. हो. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.



१८. कु. कु. कु. कु.
 कु. कु. कु. कु. कु. कु. कु. कु.

११

१२. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.



१३. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

१४. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

१५. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

१६. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

१७. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

१८. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

१९. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

२०. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

२१. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

२२. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

२३. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

२४. अतः.
 अतः अतः अतः अतः.

१. कर्म अष्टाध्यायी प्रवेशः

1. त्यज् + तुम्

तुल्यम् त्यज् + तुम्

तुल्यम् त्यक् + तुम् → त्यक्तुम्

2. प्रतिपत् + चक्ष्

प्रतिपत् प्रतिपद् + चक्ष्

प्रतिपत् प्रतिपद् + चक्ष्

प्रतिपत् प्रतिपद् + चक्ष् → प्रतिपद्ये

Refers.

कारकम् book कारक व उपपत्ति विधिवि

① प्रथमा

कर्म - कर्मणि - शनः शयामं पश्यति ।

अति कर्मणि - शनः शयामं पश्यति ।

प्रथमा - शनः शयामं पश्यति ।

अन्वोधने - हे शनः ! अत्र आगच्छ

क्रिया सम्बन्ध विधौषि कारकम्

① कर्ता स्वतन्त्र इत्युक्ते

② हेतुकर्ता प्रयोजकः

③ प्रयोजकाधीन कर्ता
प्रयोज्यः इति स त्रिधा

स्वतन्त्र, प्रयोजक, प्रयोज्य

one who does the action by himself
causative agent
one who is caused to do the action.

अन्वोधने

प्रतिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे

प्रथमा (2.3.47)

स्वतन्त्रे १ (2.3.47)

② द्वितीया

● K - कर्मणि - शनः शयामं पश्यति ।

U - कर्मप्रवचनीय योगे - उप हरिः मुराः ।

कारकं प्रोक्तं तन्म कर्म (1.4.51) अकथितं

अकथितं कर्म (1.4.51)

अकथितं कर्म (1.4.51)

अकथितं कर्म (1.4.51)

अकथितं कर्म (1.4.51)

अकथितं कर्म (1.4.51)

अकथितं कर्म (1.4.51)

अकथितं कर्म (1.4.51)

अकथितं कर्म (1.4.51)

③ तृतीया

K - कर्मणि - शनः शयामं पश्यति ।

K - भवत्ये कर्तारि - शमेण पुस्तकं पश्यति ।

U - अलंयोगे - तिवदेत अलम् ।

U - अलंयोगे - तिवदेत अलम् ।

④ चतुर्थी

K - सम्प्रदाने - शनः शयामं पश्यति ।

● अर्थार्थ - शनः शयामं पश्यति ।

● तुल्यार्थ - शनः शयामं पश्यति ।

U - नमः - कृपया नमः ।

४ परस्मैपद (परस्मै)

कालिक (लृट्)

आ added के लृट् प्रत्यय लिखिए

प्र.पु	कालिक	वि.पु	वदुवयन्	प्र.पु	वि.पु	वदुवयन्
अथति	अथतस्	अथन्ते	वदितुम्	वदितुम्	वदितुम्	वदितुम्
अथसि	अथसि	अथसि	वदितुम्	वदितुम्	वदितुम्	वदितुम्
अथामि	अथामि	अथामि	वदितुम्	वदितुम्	वदितुम्	वदितुम्

५. विधत्ता (लृट्) कालिक

प्र.पु	कालिक	वि.पु	वदितुम्
अथति	अथतस्	अथन्ते	वदितुम्
अथसि	अथसि	अथसि	वदितुम्
अथामि	अथामि	अथामि	वदितुम्

६. विधि

प्र.पु	विधि	विधि	विधि
अथति	अथतस्	अथन्ते	वदितुम्
अथसि	अथसि	अथसि	वदितुम्
अथामि	अथामि	अथामि	वदितुम्

७. कालिक (लृट्)

प्र.पु	कालिक	वि.पु	वदितुम्
अथति	अथतस्	अथन्ते	वदितुम्
अथसि	अथसि	अथसि	वदितुम्
अथामि	अथामि	अथामि	वदितुम्

१०. अजित (लृट्)

प्र.पु	अजित	अजित	अजित
अथति	अथतस्	अथन्ते	वदितुम्
अथसि	अथसि	अथसि	वदितुम्
अथामि	अथामि	अथामि	वदितुम्

अधीयवर्गः: मुहाव्यादि, कर्मादि प्रयोग आदि
 मुहुर्नामः: लक्षणविशेष प्रायश्चित्त मुहाव्यादि

क्र.सं.	शब्दः	प्रयोगः	Added प्रयोग	प्रयोगः	क्र.सं.
1st	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	10
2nd	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	12
3rd	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	24
4th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	40
5th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	34
6th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	151
7th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	15
8th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	10
9th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	61
10th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)	अधीय	10

कर्तरि प्रयोगः in all लकार - उक्त 'कर्तृ'

- 'F' धातु - कर्तृ
- 'P' धातु - कर्तृ
- 'U' धातु - कर्तृ

क्र.सं.	शब्दः	प्रयोगः	Added प्रयोग
1st	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
2nd	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
3rd	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
4th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
5th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
6th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
7th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
8th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
9th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)
10th	अधीय	✓	अधीय (अधीय)

कर्मणि प्रयोगः in all लकार - उक्त 'कर्म'

- 'F' धातु, 'P' धातु, 'U' धातु - कर्म
- धातु must be अकर्मक धातु (transitive verb)
- अध्वे प्रयोगः in all लकार - उक्त 'अध्वे'

'F' धातु, 'P' धातु, 'U' धातु - कर्म

लकार	कर्तरि	कर्मणि	अध्वे
लट्, लोट्, लृट्, वीथिलिट् (गण अतन्त्रित) (सार्वधातुक / कृष्णधातुक)	10 manners of forming अङ्ग need to 10 गण	य added for all धातु	य added for all धातु
लिट्, लृट्, लृट्, सार्वधातुक लृट्, लृट्, (गण अतन्त्रित) (सार्वधातुक / कृष्णधातुक)	गण classification does not matter in forming अङ्ग	य is not added	य is not added

17

Ans: u

EIT_3 takes '2'

EIT_3 does not take '2'

BAC 13-216C
 औपदेशिक धातुः
 औपदेशिक धातुः

[illegible][illegible]

आम, कि, मिच, वसा, चंड, अंड, निठ। यक, आनच, आनयच

• ओट्, अतिट्, प्रत्यय
 ① ओट्: ~~अतिट्~~
 ओट्, लिट्, लृट्
 (Came)

② ओट् कृत प्रत्ययः
 लुङ्, क्त्वा, क्त, क्तवत्
 तन्मि, लुच्

• ओट्, अतिट्, प्रत्यय

→ अतिट् - उपदेशादर्थानां निवेधानात्
 एकाच् भी हो तथा अनुदात्त भी
 हो (इत् निकलने के बाद)
 ७७ दुपचुष् affix इत् संदा
 पचु → एकाच् अनुदात्त

∴ पचु is अतिट्
 पट् → एकाच् अनुदात्त
 पट् is ओट्

- वेट् - ७ सू
 ① अत्रिण्य का सू
 ② दिवादिगण का सू
 ③ स्मृति & प्रत्यादि का धूज
 ④ स्मृति अविट् धातु
 ७७ अकृ, क्लिप्

- ⑤ स्मृ, तस्, तृप्, वृप्, हृप्
 मुट्, रिनेट्, स्नुट्
 ⑥ निरुक्

→ ओट् - remaining all हलन्त धातु

BAC pg-343, 19-355
 कर्तृवाच्य - (अकर्मक & अकर्मक धातु)
 ८७ बालक, विद्यालय गच्छति।
 सिंठः वनं अगच्छत्/गतवान्।

कर्मवाच्य - (अकर्मक धातु only)
 द्वात्रेण वेदः पठ्यते
 बालकेन पुस्तकं पठितम्

भाववाच्य - (अकर्मक धातु only)
 रामेण हस्यते

From कर्तृ → कर्म

भः पाठं पठति → तेन पाठः पठ्यते
 गौः तृणानि अश्नयति → गवा तृणानि अश्नन्ते
 रामः रावणं हतवान् → रामेण रावणः हतः

From कर्म → कर्तृ

अथ। त्वं दृश्यसे → अहं त्वाम् पश्यामि
 श्रमिकेण कार्यं कृतम् → श्रमिकः कार्यं कृतवान्

From कर्तृ → भाव

भः तिष्ठति → तेन स्थीयते
 अहम् चिन्तयामि → अथ। चिन्त्यते।

From भाव → कर्तृ

अथ। हस्यते → अहं हस्यामि

• द्विकर्मक-धातु (BAC pg. 151)

क्रिया १५३ १५४ कर्म
 मुख्य कर्म (Direct object)
 प्रोषा कर्म (Indirect object)

१. दुह - गोपः गां पयः दोग्धि
 गाय मे

२. वचि - वीरः राजानं वक्तुं यचि

३. पच - स्मः तृणुलान् ओदन् पचति

४. वृ - राजा घोरां शतं वृणयति

५. कथ

मृत्तिं मार्गं पृच्छति

७. पि - मः लतां पुष्पाणि चिन्तयति

८. वृ - गुरुः शिष्यं धर्मं व्रूते

९. शास् - गुरुः शिष्यं धर्मं शास्ति

१०. जि

११. मन्य - क्षीरमागारम् अमृतम् मन्वति।

१२. मुष

१३. ती, वृ - स्मः ग्रामं गजां वहति

१४. दुह - घोराः कृपणं दानम् अहं बह

१५. कृष - त्वरा वसुधां रत्नानि कर्षति।

कर्तृ → कर्म

गोपः धेनुं पयः दोग्धि → गोपेन धेनुः पयः दुह्यते।

१) सन्नायतधातु प्राप्तेः

(क) धातु (१ + २ + ३ + ४)

यस्य धातु, derived from a
धातु धातु कः अ धातु धातु

मलोहितम् लोहितम् भवति = लोहितायति (प्राप्तेः)

(1) धातु (१ + २ + ३ + ४)
to desire to do (निष्ठा पञ्चावयव)
eg धातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु
to desire to know

(2) धातु (१ + २ + ३ + ४)

धातु धातु धातु धातु
reduplication (यः धातु धातु)
धातु धातु धातु धातु

धातु धातु धातु धातु
take somebody, do something
indicated by doing

(2) धातु (१ + २ + ३ + ४)
नामधातु a root derived from noun
degrees (प्राप्तेः)
धातु धातु धातु धातु

धातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु

(3) धातु (१ + २ + ३ + ४)

धातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु

(4) धातु (१ + २ + ३ + ४)

नामधातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु

(5) धातु (१ + २ + ३ + ४)

(5) धातु (१ + २ + ३ + ४)
नामधातु
धातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु

धातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु

* धातु धातु धातु धातु
धातु धातु धातु धातु

उप, रूप . ॥३

17-18-19

37-101

अपनी मर्जी, चाहतों, आकांक्षों, नीतियों।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

असर्ग वातु और कृदन्त के पहले जगते हैं

प्र - अग्रे	प्रगच्छति - goes away	प्रति - प्रति
परा - पिछे	परिगच्छति - goes around	प्रति - प्रति
अप - विरुद्ध	अपगच्छति - goes away	प्रति - प्रति
सम - एकत्र, अन्तर्	संहरति - destroys	प्रति - प्रति
अनु - पिछे	अनुगच्छति - follows	प्रति - प्रति
अव - नीचे	अवगच्छति - understands	प्रति - प्रति
निम् - बाहर	निश्चलति - slips away	प्रति - प्रति
निर् - बाहर	निर्गच्छति - goes out	प्रति - प्रति
दुस् - दुष्ट	दुष्कृत्यति - acts badly	प्रति - प्रति
दुर - कुशल	दुरागच्छति - creates	प्रति - प्रति
वि - अलग	विगच्छति - comes	प्रति - प्रति
आ - पर्यंत	आगच्छति - comes	प्रति - प्रति
नि - अधिका	निगच्छति - attains	प्रति - प्रति
आधि - उपर	आधितरति - crosses	प्रति - प्रति
अति - उत्तरक	अतिगच्छति - becomes very satisfied	प्रति - प्रति
आपि - भी	आभिरुद्धति - protects	प्रति - प्रति
भु - उत्तम	भुतिगच्छति - returns	प्रति - प्रति
आभि - तरफ	परिगच्छति - does completely	प्रति - प्रति
प्रति - विरुद्ध	अगच्छति - approaches	प्रति - प्रति
परि - समीप	उत्तिगच्छति - stands	प्रति - प्रति
उप - पास		प्रति - प्रति
उद् - उपर		प्रति - प्रति

धातुः + कृत प्रत्ययः = कर्तृकृतम्
 nominalisation of ~~the~~ धातु
 done by suffixing कृत प्रत्यय

कृत प्रत्यय can denote कारक, भाव,
 time or necessity of action

* कर्तृकृतम् of प्रत्यय is related to corresponding धातु

विष्णुकृत्य / कृत्याः (कर्मणि / भावे)
 अतः कथं व्यतः, तव्यतः, तव्यः, अनीयश्च
 meaning: should be done, fit to be done,
 necessarily to be done, possible to be done

Gender: लिंग is determined by the लिंग of a qualified noun

Declension: In पुं & न - 'अ' ending
 स्त्री - 'आ' ending (दाप्)

विभक्त्यवयवम्: 1. कर्तव्यम् किं कर्तव्यम्
 2. दातुं योग्यम् देयम्
 3. कर्तुं शक्यम् करणीयम्

a. यत्, कथप्, व्यत् (कर्मणि / भावे)

content: य

e.g. लि + यत् = ज्ञेय (जो लिखना चाहिए)
 ज्ञा + यत् = ज्ञेय (जो जानना चाहिए)
 लेभ् + यत् = लेभ्य (जो लेखना चाहिए)

पुं न स्त्री
 ज्ञेय, ज्ञेय, ज्ञेया
 ज्ञेयः, ज्ञेयम्, ज्ञेया
 e.g. शास् + कथप् = शिष्य (जिसको शासित करना चाहिए)

(अर्ह) fit → (जो शक्ति करते योग्य है)
 (शक्ति) possible → (शक्ति - वि - योग्य है)
 necessary → (जिसको शासित करना आवश्यक है)

वृश् + कथप् = वृक्ष्य
 कृ (80) + कथप् = कृत्य

कृ + व्यत् = कार्य
 कृ (21) + व्यत् = वाच्य

विद् (21) + व्यत् = वेद्य
 लि (10) + व्यत् = लिख्य

लिद् (21) + व्यत् = लेख्य

b. तव्यत्, तव्य (कर्मणि / भावे)

content: तव्य
 तव्यत्तत् अर्थः पठितव्यः
 पठ् (11) + तव्य = पठितव्य
 ज्ञा (91) + तव्य = ज्ञातव्य
 मत् (41) + तव्य = मत्तव्य
 (विचार करनी)
 भज् + तव्य = भक्तव्य

c. अनीयश्च (कर्मणि / भावे)

content: अनीय
 अनीयश्च (अनीय) = अनीयश्च
 वृश् (11) + अनीयश्च = वृक्षणीय
 श्रु (11) + अनीयश्च = श्रुणीय
 कुञ्ज् (10) + अनीयश्च = कुञ्जणीय
 (अनुभव करनी) = अनुभवीः, अनुभविनीः

d. तृच्य (कर्मणि) [HAV तृच्य]

content: तृ

meaning: तृच्य / तृच्य के तीनों गुणों का

Gender: all 3 लिंग

Declension: In पुं & न - तृच्य
 स्त्री - तृच्य (जीप्)

विभक्त्यवयवम् - कर्तृनि ज्ञेयं ज्ञातं
 पठ्यमानं पठ्यमाना

कृ (80) + कृप् = कर्तृ



वा (30) + कृप् = वातृ

युल (कर्तृ) HNV [जक]

Context - कु - अक

Declension - कु - अक

Gender - कु - अक

Gender - कु - अक

Gender - कु - अक

जी (10) + युल = नायक (नयति इति)

वाच (10) + युल = वाचक (वाचते इति)

वाचक (10) + युल = वाचक (वाचते इति)

वाचक (10) + युल = वाचक (वाचते इति)

कृप् (कर्तृ)

Context - 2000

Gender - all 3

Declension - need to lose letter

Gender - all 3

कृ (80) + कृप् = कर्तृ

कृ (100) + कृप् = कर्तृ

विद्युनिष्ठा / निष्ठा

कर्तृ - कर्तृ (कर्तृ) (कर्तृ) (कर्तृ)

कर्तृ - कर्तृ (कर्तृ) (कर्तृ) (कर्तृ)

a. कर्तृ (कर्तृ) (कर्तृ) (कर्तृ)

Context - त

Gender - कर्तृ

V.V. Imp * कर्तृ - in गत्यर्थ or when धातु is अकर्मक

Gender - 3 लिङ्ग

Declension - कु - अक

जी - अक

meaning:

	कर्तृ	वर्तमाने
कर्तृ	देवदेवतेन श्लोकः श्रुतः (भुक्ता गथा श्लोक)	आर्चितः
वर्तमाने	देवदेवतेन श्रुतः (भुक्ता गथा)	भक्त भक्तम्
कर्तृ	देवदेवतेन श्रुतः (भुक्ता गथा)	X

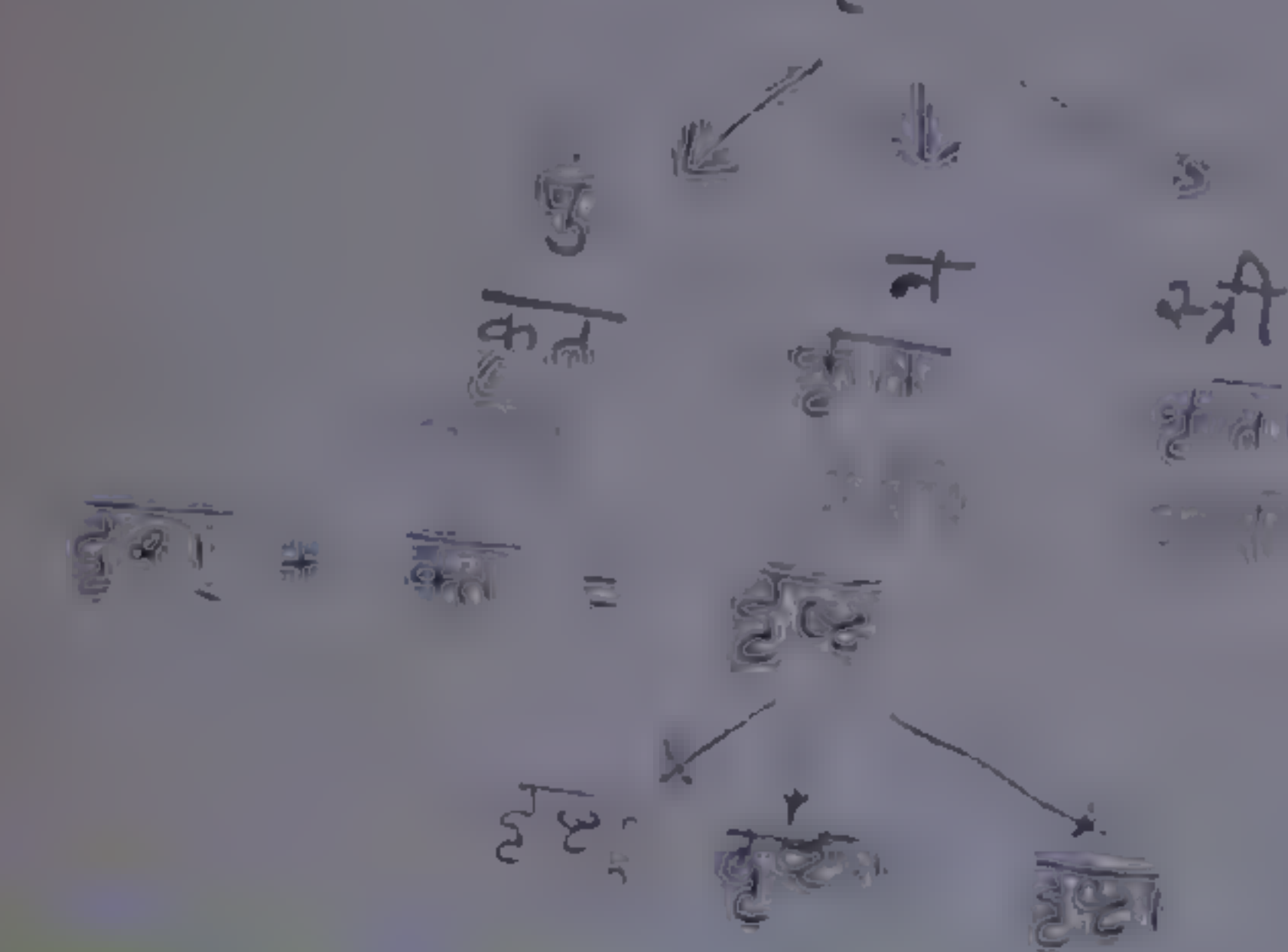
e.g. कृ + कर्तृ = कर्तृ (जो जाना हुआ है)

प्र + भवे + कर्तृ = प्रभवे (जो भुक्ता हुआ है)

कृ (80) + कर्तृ = कर्तृ

कृ (100) + कर्तृ = कर्तृ

कृ (80) + कर्तृ = कर्तृ



कर्तृ (कर्तृ) (कर्तृ)

Context - तवत्

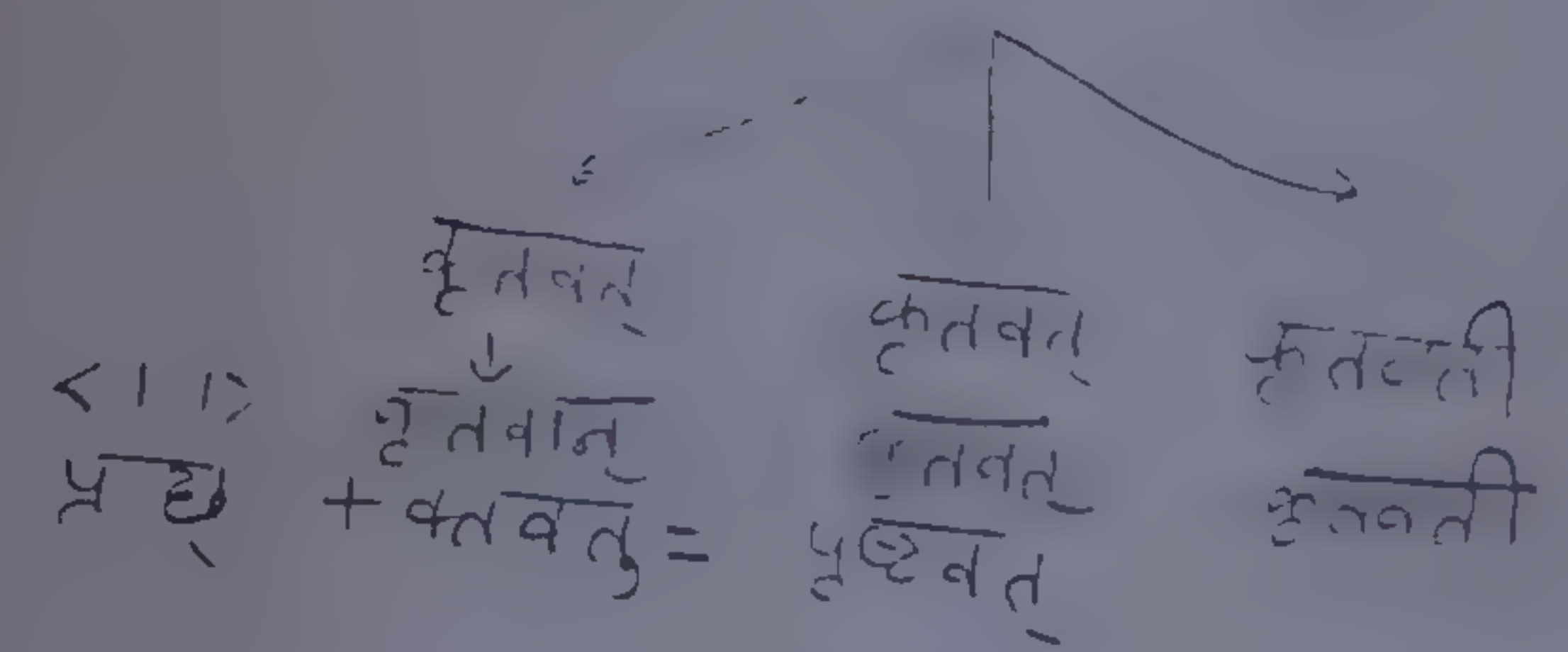
Gender - कर्तृ

Declension - कु - अक

जी - अक

विगतहवाक्यम् - अकर्मक इति धातुवत्

e.g. कृ (80) + कर्तृ = कर्तृ



अपृच्छत इति पृच्छवत्

* पृच्छते -> पृच्छ -> पृच्छवत् - अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

a. धातृ (लट् प्र-पठ् वक्तु - अकर्मक)

meaning - कर्तृ of present or future action of परस्मैपदी धातु

Context - कर्तृ

Gender - कर्तृ

Declension - कु - अक

जी - अक

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

अपृच्छत इति पृच्छवत्

धातु type

कर्तृ	कर्तरि	P	पश्यति → पश्यन्
		A	पश्यते → पश्यन्
कर्मि		P	पश्यते → पश्यन्
		A	पश्यते → पश्यन्
कर्तृ	कर्तरि	P	पश्यति → पश्यन्
		A	पश्यते → पश्यन्
कर्मि		P	पश्यते → पश्यन्
		A	पश्यते → पश्यन्

Take out लकार (लट्/लृट्)

प्रयोग (कर्तरि/कर्मणि/भाव)

लट् = मैं पढ़ा is seen in अनु सार
लृट् = अधिकारक लट्

प्रयोग = लृट् is only कर कर्तरि

अने धातु is P and शानच्

प्रयोग is added when it
is added to कर्मणि/भाव

In लट् when धातु is A

दृष्टि अनु → कर्मणि

भाव
No → कर्तरि

In लृट् when धातु is A

it can be any प्रयोग

eg लप्समान्, लप्समान्

भाव should be in
नन्तर अनुसूचित

क्रियाभावानि <1-3>

1. क्रियमाण (नपुंसक शान्त्यधिक)

2. कृ शानच्
(80)

3. लकार → 1.0 अथ hence लट्

4. प्रयोग → 1.0 seen hence कर्मणि

क्रियाभावानि → लट् कर्मणि

कृ (80) + कर्तृ (लट्/कर्तरि) = कुर्वन्

+ शानच् (लट्/कर्तरि) = कुर्वन्

+ शानच् (लट्/कर्मणि) = क्रियमाण

+ शतृ (लृट्/कर्तरि) = करिष्यत्

+ शानच् (लृट्/कर्मणि) = करिष्यमाण

Steps to identify meaning-

1. Take out शान्त्यधिक by taking कृ

2. Take out धातु & प्रत्यय

भाव & कर्मण करक

- लृट्
- लृट्
- लृट्

लृट् (भाव & कर्मण करक)

- भाव
- कर्मण
- अधिकरण

content - यु → अन

Gender - in the sense of भाव

Extension - 'अ' ending only

विग्रहवाक्यम् -

भाव - दर्शन (seeing)

भोजन (eating)

अवगण (knowing)

करण - दृश्यते अनेन इति दर्शनम्

अधिकरण - दृश्यते अनेन इति दर्शनम्

कर्मणि - ज्ञायते इति ज्ञानम्

eg कृ + लृट् = करण

क्रियते अनेन इति करणम्

श्रु + लृट् = श्रवण

श्रुति

श्रुति: इति श्रवणम्

(भाव व्युत्पत्तिः)

भाव (कर्तृ) + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

भाव + लृट् = भाव

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् (कृत्) के अन्तर्गत संज्ञासूची

कृत्

meaning - having done action A he does action B

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

(इह आगम when धातु 's सेट)

Gender & declension - अव्यय

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

Gender & declension - अव्यय

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

Gender & declension - अव्यय

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

कृत् + धातु = कृत्

परिचयिका + ललितप्रसाद

1. पर्यायपत्यम् (descendant of)

a. अण्/अम्
b. इत् only female names
c. अण्/अम्

पर्यायपत्यम्
content - अण्

अण्वि वृद्धि in the अण्वि

Gender - word to gender of person
on which the suffix is
qualifying

Declension - m. 'अ' ending
f. - डीप् (ई)

विभक्त्यवयवम्

भारतस्य अपत्यं पुमात् भारतः।

भारतस्य अपत्यं स्त्री भारती।

eg धृतराष्ट्र + अण् → धर्मराष्ट्र

धृतराष्ट्रस्य अपत्यं पुमात् धर्मराष्ट्रः।

पाण्डु + अण् → पाण्डव

पाण्डुः अपत्यं पुमात् पाण्डवः।

भृगु + अण् → भारवि डीप् भारवी

भृगुः अपत्यं स्त्री भारवी

b. इत्

all are 11th अण्/अम्

content - इ

Declension - m - 'इ' ending
f - डीप् (ई)

परिचयिका

c. देव

देवता नामानि देवा इति

देवता इति नामानि देवा इति

* पुत्रो

correct पुत्र → पुत्र

पुत्र इति नामानि

Gender - पु

Declension - m. 'अ' ending

f. - डीप् (ई)

विभक्त्यवयवम्

पुत्रोः अपत्यं पुमात् पुत्रः।

पुत्रोः अपत्यं स्त्री पुत्री।

अपत्यः अपत्यं पुमात् अपत्यः।

अपत्यः अपत्यं स्त्री अपती।

2. मत्वर्थीया (person to)

a person or a thing which has

or a person or a thing

a. मत्तुप् → मत्तुप् इति अण् मत्वर्थीयम्

b. इतिः इति अण्वि ending मत्वर्थीयम्

c. विनिः इति अण्वि ending मत्वर्थीयम्

d. अण्वि इति अण्वि ending

5. Comparative & Superlative

Comparative-

a. तस्य b. इयमुं

Superlative-

c. तस्य d. इयमुं

a. तस्य

लक्षणवाक्यम् - इयोः एकस्य अतिशयम्
(in the sense of superiority
of two)

Content - तस्य

Gender - accord to gender of noun
all 3

Declension - m & n - 'अ' ending
f - टाप् (आ) ending

लक्षणवाक्यम् -

अयम् अतयोः अतिशयेन लघुः → लघुतरः
(this is) (of the two) (exceedingly) (small) (smaller)

b. इयमुं

लघुतमः
(1.1) लघुतमः लघुतमम् लघुतमा

इह + तस्य - लघुतर

c. इयमुं

Content - इयमुं

हि (part of अ starting from last
vowel until the end) is elided

Gender - accord to gender of noun all 3

Declension - m & n - 'अ' ending
f - टाप् (आ) ending

उ. वि. लोप

लघु + इयमुं → लघीयम्

लघीयम् लघीयम् लघीयसी

(1.1) लघीयम् लघीयः लघीयसी

अयम् इयमुं → अणीयम्

महत् + इयमुं → महीयम्

• Irregular

गुरु + इयमुं → गरीयम्

प्रेम + इयमुं → प्रेमम्

प्रेमम् प्रेमम् प्रेमसी
प्रेमान् प्रेमः प्रेमसी

c. तस्य

लक्षणवाक्यम् - अतिशयेन

Content - तस्य

Gender - accord to noun, all 3

Declension - m & n - 'अ' ending
f - टाप् (आ) ending

लक्षणवाक्यम् -

अयम् एतेषाम् अतिशयेन लघुः लघुतमः
(this is) (of many) (exceedingly) (small) (smallest)

लघु + तस्य → लघुतम

लघुतम लघुतम लघुतमा

(1.1) लघुतमः लघुतमम् लघुतमा

d. इच्छन्

Content - इच्छन्

हि is elided

Gender - accord to noun, all 3

Declension - m & n - 'अ' ending
f - टाप् (आ) ending

g. वि. लोप

लघु + इच्छन् → लच्छिन्

लच्छिन् लच्छिन् लच्छिन्सी
(1.1) लच्छिन् लच्छिन् लच्छिन्सी

लघु + इच्छन् → लच्छिन्

• Irregular

प्रिय + इच्छन् → प्रेच्छ

प्रेच्छ प्रेच्छ प्रेच्छा
प्रेच्छः प्रेच्छम् प्रेच्छा

6. अभूत तत्त्वावे (new status)

(चिं)

• लक्षणवाक्यम् -

अभूततत्त्वावे (a thing which was not
... before and it is ... now)

The new प्रातिपदिकम् should be
used with कृ, अस् & कृ धातु

• Content - zero प्रत्यय

Last अ वर्ण of अङ्ग becomes ई

• Gender & decli - अव्यय

वि. लोप

अभूततत्त्वावे (a thing which was not
... before and it is ... now)

The new प्रातिपदिकम् should be
used with कृ, अस् & कृ धातु

• Content - zero प्रत्यय

Last अ वर्ण of अङ्ग becomes ई

• Gender & decli - अव्यय

अभूततत्त्वावे (a thing which was not
... before and it is ... now)

The new प्रातिपदिकम् should be
used with कृ, अस् & कृ धातु

• Content - zero प्रत्यय

Last अ वर्ण of अङ्ग becomes ई

• Gender & decli - अव्यय

अभूततत्त्वावे (a thing which was not
... before and it is ... now)

The new प्रातिपदिकम् should be
used with कृ, अस् & कृ धातु

• Content - zero प्रत्यय

Last अ वर्ण of अङ्ग becomes ई

• Gender & decli - अव्यय

अभूततत्त्वावे (a thing which was not
... before and it is ... now)

The new प्रातिपदिकम् should be
used with कृ, अस् & कृ धातु

• Content - zero प्रत्यय

Last अ वर्ण of अङ्ग becomes ई

• Gender & decli - अव्यय

अभूततत्त्वावे (a thing which was not
... before and it is ... now)

The new प्रातिपदिकम् should be
used with कृ, अस् & कृ धातु

किम् / किं

use of कम् / किम् into आनेपित प्रत्ययके
सर्वनाम

कुतः - येन - कुतः - कुतः
कुतश्चन - somewhere

कुतः - कुतः

तदा + किम् - तदा - तदा
तदा - sometimes

कुतः - कुतः - somewhere

कुतः - कुतः - sometimes

कुतः - कुतः - something
कुतः - little bit

कुतः - कुतः - someone
Someone (masculine)

कुतः - कुतः - some (plural)

कुतः - कुतः - someone (feminine)

कुतः - कुतः - someone (feminine)

कुतः - कुतः - someone (feminine)

कुतः - कुतः - someone (feminine)

आनेपित प्रत्ययः

आनेपित
प्रत्ययः

is determined by

व्याख्यानिक विधानात्

Through study of Sanskrit literature

तदा तदा तदा
तदा तदा तदा

पुंलिङ्गः

धन्, अच - मत्स्यम्

अच

व्याख्यानिक

विधानात्

व्याख्यानिक

विधानात्

व्याख्यानिक

विधानात्

व्याख्यानिक

विधानात्

व्याख्यानिक

विधानात्

व्याख्यानिक

विधानात्

व्याख्यानिक

विधानात्

સાધનાલિપિ

૧. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૨. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૩. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૪. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૫. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૬. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૭. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૮. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૯. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦
૧૦. મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦

સાધનાલિપિ :

૧. મુદ્રાલિપિ : - ૨૧ → ૨૦૦૦
 ૨. મુદ્રાલિપિ : - ૧૨ → ૨૦૦૦
 ૩. મુદ્રાલિપિ : - ૨૦ → ૨૦૦૦
 ૪. મુદ્રાલિપિ : - ૧૨ → ૨૦૦૦
 ૫. મુદ્રાલિપિ : - ૧૨ → ૨૦૦૦
 ૬. મુદ્રાલિપિ : - ૨૭૫ → ૨૦૦૦
 ૭. મુદ્રાલિપિ : - ૧૨ → ૨૦૦૦
- સંહિત ૪૮૨

સાધનાલિપિ :

મુદ્રાલિપિ : ૨૦૦૦

• To identify which पद
attach a word to समास

1. अन्यथीभाव समास

पूर्वपदम् प्रधानम्

• पूर्वपद -

अधि, उप, अनु, प्रति, बहु, दुः, वि,
अति, इति, यथा, स, वर्यः,
आइ. (आ), अग्नि

• उत्तरपद

ciny noun

• Gender & number

अव्यय words

neuter gender, singular

• विग्रह वाक्यम् -

अस्वपद / तिस्र समास

meaning of पूर्वपद is given in

विग्रह वाक्यम्

eg अधि हरि → हेरौ इति → हरि के विषय में

उपकृष्णम् → कृष्णस्य स्मीपम्

अनुविष्णु → विष्णोः पञ्चात्

अनुरूपम् → रूपस्य शोभयत्

यथाशक्ति - शक्तिम् अनि तेभ्यः

बहिर्वनम् - वनात् बहिः

✓ आमुक्ति - मुक्ति - पति

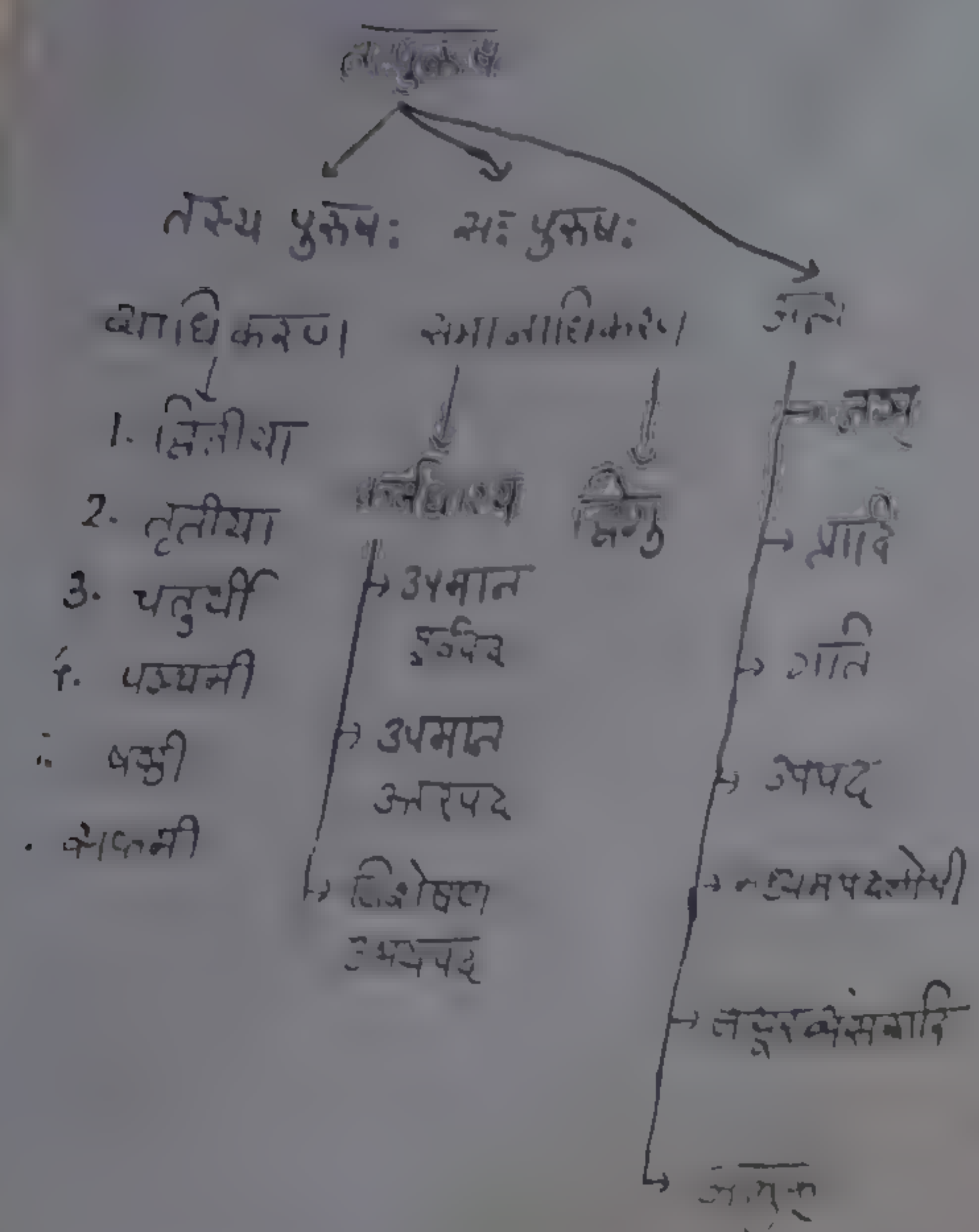
अष्टयात्मम् → आत्मनि इति

refer BAC pg. 165 for special rules

for making अन्यथीभाव समास

2. तत्पुरुष समास

उत्तरपद प्रधान



विशेषण पूर्व सप्त लक्षणवत्

विशेषण पूर्व सप्त लक्षणवत्

(परवालिङ्गं दहतपुरुषयोः)

आधिकरण

1. द्वितीया

पूर्वपद in 2nd case

eg. कृष्णाश्वितः → कृष्णाश्वितः

✓ प्रलयगतः → प्रलयं गतः

कु. आतीतः → कु. अतीतः

ग्रामगमी → ग्रामं गमी

• ईश्वरश्रिताताम्

remove रूप प्रत्यय

ईश्वरश्रित

ईश्वर श्रिताः ईश्वर श्रिताः तेषाम्

ईश्वरश्रितानाम्

• गुणातीतः → गुणम् अतीत

तृतीया

पूर्वपद in 3rd case

eg. अश्वमेधः → अश्वमेधः

कु. कुलम् → कुलोः कुलम्

दद्योवनः → दद्योः वनः

योगयुक्तः → योगोः युक्तः

मेघ सुतम् → मेघोः सुतम्

3. चतुर्थी

पूर्वपद in 4th case

eg. लोहितम् → लोः हितम्

यूपवारु - यूपाय वारु

4. पञ्चमी

पूर्वपद in 5th case

eg. चौराग्रम् → चौराग्रं त्रयम्

5. षष्ठी

पूर्वपद in 6th case

eg. गुरुकुल - गुरोः कुलम्

शस्त्रविद्या - शस्त्राणां विद्या

कर्मफलम् - कर्मणां फलम्

तत्पुरुषः - तस्यै पुरुषः

पाशुपुत्रः - पाशोः पुत्रः

आत्मशुद्धि - आत्मनः शुद्धि

✓ द्वेषीकेराः - द्वेषीकस्य ईशः

पक्षेपत्रम् - पक्षस्य पत्रम्

• गुरुकुले - गुरोः कुलम् गुरुकुलम्

तस्मिन् गुरुकुले

सप्तमी

पूर्वपद in 7th case

eg. लक्ष्मणः - लक्ष्मणः

ईश्वराधीनः - ईश्वरोः अधीनः

शास्त्रनिपुणः - शास्त्रे निपुणः

समानाधिकरण

विशेष्य विशेषण भाव

1. उपमानपूर्वपद

eg. लक्ष्मणः - लक्ष्मणः

अपमान उपमेय

अपमान अपमेय - अपमानः अपमेयः

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

अपमान अपमेय

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

विशेष्य विशेषण भाव

4. उपपद (sec. E56 vol 3 p. 177)

उपपद
उपपद = उप + पद

ender - as that of qualified noun

eg. कुम्भं करोति

कुम्भ + अम् + कृ + अण्

↓
कुम्भकार

साम गानति इति सामगः

भ्रूणाणि करोति भ्रूत्रकारः

वराह ददाति इति वरदः

वृन् प्राति इति वृपः

कृतं जानाति इति कृतज्ञः

गृहे तिष्ठति इति गृहस्थः

मद्ये तिष्ठति इति मध्यस्थः

अर्श करोति इति अर्शकरः

मर्श करोति इति मर्शकः

मयं भवति इति स्वयम्भूः (अवतारः)

रंजं करोति इति रंजकः

* अभगामी

अग्ने गच्छति तत् शील. अस्य अग्नि

इति अभगामी

5. मध्यमपद लोपी

आकपाथिवः - आक प्रियः पाथिवः

देवब्राह्मण - देवपूजकः ब्राह्मण

पयूर वासकादि

पुत्रों का उत्पन्न

युवाकः मयूरः - मयूरवासाक
(पतुर)

नार्तनरम् - अत्यः वातः

धर्मानरम् - अत्यः धर्मः

7. अलुक्

जिनमें विभक्ति के प्रत्यय का लोप नहीं होता

* ऐसे ही उदाहरण जो ग्रन्थों में मिलते हैं, इसमें तवीन शब्दों का निष्पत्ति नहीं किया जा सकता।

eg. आत्मने पदम्

परस्मै पदम्

पुच्छिष्ठिरः

अचरः

अशसिजम्

3. बहुव्रीहि समासः

अव्ययपद प्रधान

* सभी सामसेत शब्द किसी एक शब्द के विशेषण होकर रहते हैं

* बहुव्रीहिः (धातुम्) राज्य भक्ति
मः बहुव्रीहि

* शब्द बाव तत्पुरुष व बहुव्रीहि

पीताम्बरम्

पीताम्बरः

पीतम् अम्बरम्

पीतम् अम्बरम्

(पीलावस्त्र)

(श्रीकृष्ण)

तत्पुरुष कर्मधारय

बहुव्रीहि

* यद् is used in विग्रह

बहुव्रीहि

आधिकरण सभानाधिकरण अत्य

द्वितीय

तृतीय

चतुर्थ

पञ्चमी

षष्ठी

सप्तमी

नञ्

अह

प्रादि

A. आधिकरण

one वं the पद in प्रथमा

other पद in षष्ठी सप्तमी

eg. चक्रपाणिः - चक्रं पाणि। अर्थ संः
(श्रीकृष्णः)

चन्द्रशेखरः - चन्द्रः शेखर यस्मै भः
(शिवः)

चन्द्रकान्तिः - चन्द्रस्य कान्तिः देवकान्तिः
यस्य

C. अत्य

1. नञ्

Gender & number - as qualified

eg. अनित्यः - अनित्यः नः नित्यः
अनित्यः (नित्यः)

अक्रुधः - अक्रुधः नः क्रुधः

अतपेदाः, अतीवशः

2. सह

eg. सलक्ष्मणः -

लक्ष्मणेन सह वर्तते इति सलक्ष्मणः
(सहितः)

आपेक्षा

3. प्रादि

धर्मपदं च प्रादिशणं

eg.

भुमनाः ओषधं मलः शक्यः शोः
भुमनाः

भिषोः, भुवि, भित्तौ

for rules refer GAC pg. 207

3. सह

(सहितः) (सहस्यः)

two or more words connected by

सह

सहस्यः

सहितः

सहस्यः

4. इतिरतरं

द्वयोः अन्तर्गतं अन्तर्गतं अन्तर्गतं
प्रत्ययान्तं अन्तर्गतं

Gender - gender of the last member

Number - total number of the
members

eg. स्त्रीत्वान्तो - स्त्रीत्वान्तो च अन्तर्गतः

अन्तर्गते - अन्तर्गते अन्तर्गते च

कलपुष्पे - कलं च पुष्पं च

कलपुष्पाणि - कलं च पुष्पे च

Special modifications -

दिव + पृथिवी → दिवपृथिवी

मातृ + पितृ → मातृपितृ

जाया + पति → दंपती

eg. अन्तर्गत्युत्तराव्याधि

• इकारान्त शब्द पहले

हरिः च हरः च → हरिहरौ

• कम अक्षर वाले शब्द पहले

शिवः च केशवः च → शिवकेशवौ

5. अन्तर्गतः

अन्तर्गतः (अन्तर्गतः अन्तर्गतः अन्तर्गतः)

अन्तर्गतः (अन्तर्गतः अन्तर्गतः अन्तर्गतः)

अन्तर्गतः (अन्तर्गतः अन्तर्गतः अन्तर्गतः)

eg. गोपी च गोपी च गोपी च

गोपी च गोपी च गोपी च

गोपी च गोपी च गोपी च

गोपी च गोपी च गोपी च

गोपी च गोपी च गोपी च

6. अन्तर्गतः

दो या अधिक : दो या अधिक

दो या अधिक : दो या अधिक

दो या अधिक : दो या अधिक

दो या अधिक : दो या अधिक

दो या अधिक : दो या अधिक

• अन्तर्गतः

मनवृत्त

८ अक्षर आवृत्ति (शायरी)

९ श्रुष्टु
१० धर्मक्षेत्रे कुलक्षेत्रे
अमवेता युयुत्सवः ।
मासकाः पाण्डवाश्चैव
केलिकुर्वन् अञ्जय ॥

तमस्ते नरसिंहाय
रक्षादाह्वयं याचिन्ते
विष्णुकर्णपोतमम्
विजयं नखावधे

९ वृहती

१० वंकी

११ त्रिष्टुप्

१२ अक्षर

त त ज श थ
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

अक्षर दावातल लीन लोक
शायरी कोरुषु धनदातवम्
पासम्प कल्याण शुणार्णवस्य
वन्दे गुरोः श्री चरणारविन्दम्

१३ अक्षर
त त ज श थ
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

३५ जगती

इति नमः + अक्षरवृत्त
मनवृत्त मयः सयुक्तम्

निकुञ्ज श्वनो वति केलि सिद्धये
या यालिभिर्धुक्त्रिरेषमणीया
वन्दे गुरोः श्री चरणारविन्दम्

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

१२ जगती

१३ अक्षर
त त ज श थ
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

नवगौरवरं नव पुष्प वारम्
नवभाव धरं नव लस्य परम्
नवहास्य करं नव हेम वरम्
प्रणमामि शायी मुत गौर वरम्

१३ अक्षर

भुजंग प्रयातं चतुर्भिर्धुक्त्रिरेषमणीया
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

नमामीश्वरं भाचिदातल रूपं
तमकुपुषुं गोकुले क्षान्तमानम्
यवोदाभिथोलू अलाधवावमातं
परामृष्टमयुं ततो मृत्यु गोप्या

१३ अक्षर

त त ज श थ
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

निगमकलतरो गल्लिं फलं
शुकमुखादमृत हव संयुतम्
पिबत भागवतं रसमालयं
मुहुरहोरसिका भुवि भावुकाः

१३ अक्षर

तच्येन्द्रवंशा प्रथमे ऽक्षरे गुरो
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

आशिल्ल वा पाद रतां पितृ भाम्
अदर्शनात्ममहितां करोतु वा
यथा तथा वा विदधानु लम्पटो
मत्प्राणनाथस्तु भ एव ता परः

१३ अक्षर

१४ शायरी

वसन्ततिजकं
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

पितामहि तकर ममसु कल्पवृक्ष
लक्ष्मणतेषु सुखीरमि पालयन्तम्
लक्ष्मी रत्नम् नत सन्धु ममेवमानं
शोविम मादि पुरुषतम ह भक्तानि

१५ अक्षर

मालिनी : यति
ततमय ययुतेयं मालिनी भोगिले
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

यतिजक निजलो देवकी जन्मवादे

16 गति
17 गति

१. शिखरिणी यति: ६, ११
बसैकैरैरिणा यमनसमलागः सिचरिणी
१ ५ ५ ५ ५ १ १ १ १ ५ ५ १ १ ५
य न त म म न गु

कवचलापिनि तट विपिनसजीत तरवो
पुवाभीरीतारी वतनल मल्लमल मल्लमल
अवतमल्लमल मल्लमल मल्लमल मल्लमल
यति: स्वामी नयनपथगामी भवनु मे

यति: ७, १४
यति: ७, १४
यति: ७, १४
यति: ७, १४

अवतमल्लमल मल्लमल मल्लमल मल्लमल
५ ५ ५ ५ ५ १ १ १ १ ५ ५ १ १ ५
म म म म म न न गु

कृष्णोलीर्तन गातनर्तन परो प्रेमा भुंभोसिधी
दीगदी रूपापियो प्रियकोपेतिरौ कृष्णो
प्रीतिरु कृष्णमरौ पुनै कृष्ण अवाप हज्जारको
प्रीतिरु सावतरो अंधुयुगैषीजीन गोपालको

यति: ७, १४

२० गति

२१ गति

अवधश यति: ७, १४

अवधश यति: ७, १४
५ ५ ५ ५ ५ १ १ १ १ ५ ५ १ १ ५
म म म म म न न गु

२. सदाक्रान्ता यति: ४, ६, १

सदाक्रान्ता यति: ४, ६, १
५ ५ ५ ५ ५ १ १ १ १ ५ ५ १ १ ५
म म न न न न

नाकोर मुजग रायन पभना भं मुरेरां
वाधारे गगत सहरा मेघवर्ण शुभाभु
भीकान्त कलतनयतं रशोपेति विनिगम्भ
विजय भवनय एतं यति: ७, १४
यति:

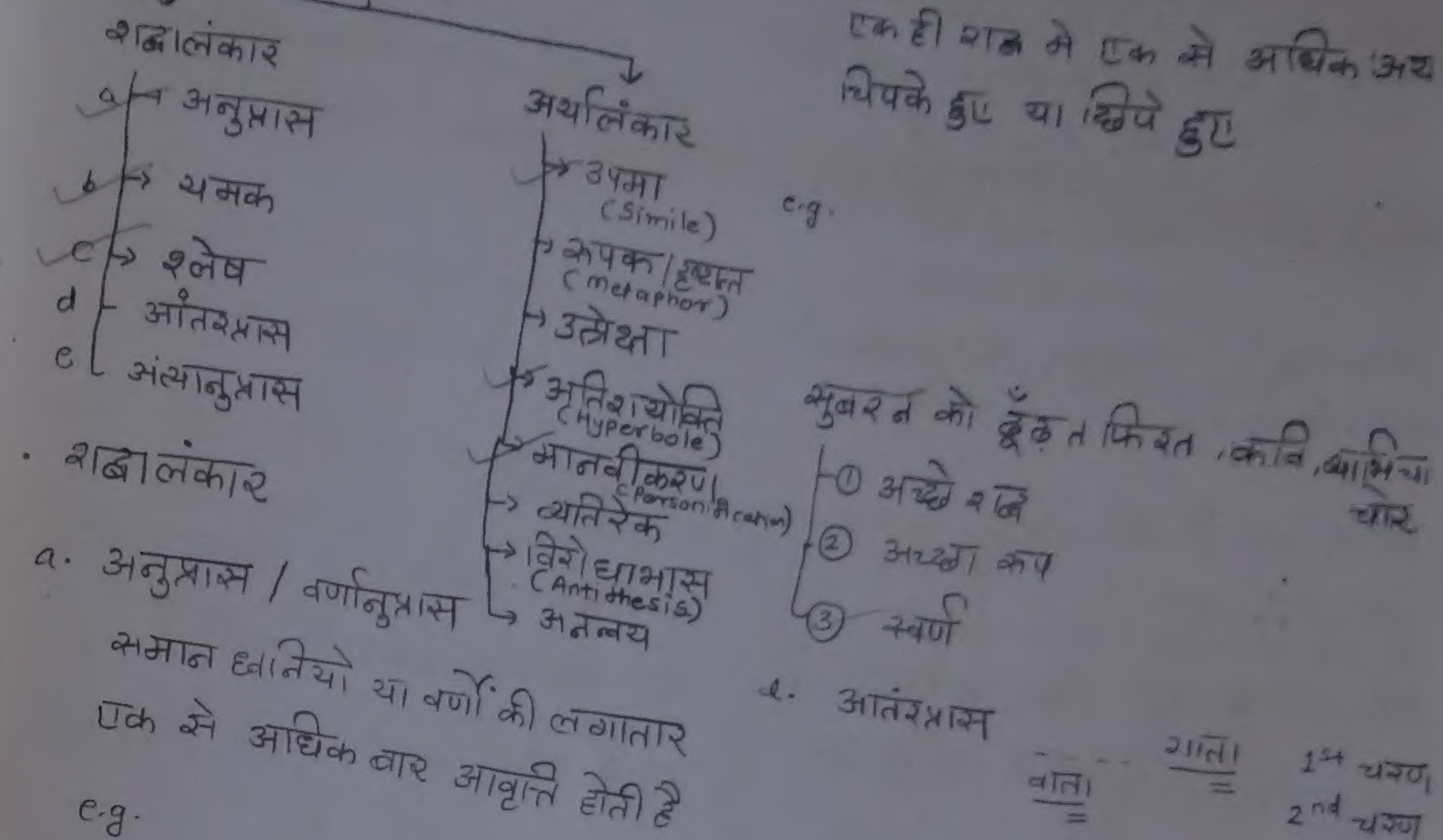
४ गति
गति: ७, १४

गति: ७, १४
५ ५ ५ ५ ५ १ १ १ १ ५ ५ १ १ ५
म म म म म न न गु

यति: ७, १४

आभूषण से भाषा की सुंदरता बढ़ जाती है C. बल्ले

अलंकार



शब्दालंकार

a. अनुप्रास / वर्णानुप्रास

समान ध्वनियों या वर्णों की लगातार एक से अधिक बार आवृत्ति होती है e.g.

चरु चंद्र की चंचल किरणें
शुषुपति राघव बाजाराम

b. यमक

एक शब्द का एक से अधिक बार मिला मिला अर्थों में प्रयोग

e.g.

तीन बेर खाती थी वो तीन बेर खाती थी
बार फल

कली घटा का धमंड घटा
बादल कम

मेरे में भेता नही मेला

अर्थालंकार

a. उपमा

समानता दिखाना

व्यक्ति/वस्तु स्वभाव ~ स्वभाव
स्थिति ~ स्थिति व्यक्ति/वस्तु
① कप ~ कप ② गुण ~ गुण

3. पीपर पात करिस मन डोलो

उपमेय : जिसको उपमा दी जाय
(मन)

उपमान : जिस वस्तु या व्यक्ति को उपमा दी जाती है
(पीपर पात)

समान धर्म : समान विशेषता
(डोलना)

वाचक शब्द : समानता प्रकट करनेवाले
साधर्म्यपूर्ण शब्द (करिस)

करिस रहा है बनी अनल, झूलत लबा
सा जल रहा

सत्य वाचक शब्द : भा, सी, से, जैसे,
अस, अरिस, इन

eg. पायो हरी मैनें नाम बतल दान पायो

उपमेय उपमान

अतमन चरण कवल अविनाकी

उपमेय उपमान

c. उत्प्रेक्षा -

प्रस्तुत (उपमेय) में अप्रस्तुत (उपमान)

की संभावना प्रकट की जाती है

वाचक शब्द : मानो, जानो, जगहुँ, ज्यो,
जनु

eg. कहती हुई मैं उतर। के नेत्र जल से भर गए

हिम कणों से पूर्ण माने हो गए पंकज नग

उपमेय - नेत्र आँखें

उपमान - कमल हिम कण

b. रूपक -

गुण, स्वभाव आदि की अत्यधिक

समानता के कारण प्रस्तुत (उपमेय)

और अप्रस्तुत (उपमान) में मेल

न दर्शाया जाए

d. अतिशयोक्ति

किसी व्यक्ति या वस्तु आदि के गुण
रूप, सौंदर्य का वर्णन इतना
बड़ा चढ़ाकर किया जाता है जिस
पर विश्वास करना कठिन हो

eg. एक दिन राम पतंग उड़ाई
देवलोक में पहुँची जाई।

बाण नहीं पहुँचे शरीर तक
बाहु गिरे पहले ही कू पर।

eg.

वसुंधरा बिभेर देती है मोती सबके मोने
रवि बबेर लेता है उसको भवा भबेर। लेते

f. व्यतिरेक

उपमेय > उपमान

अमृतको मीठा आपका नाम

g. विरोधाभास

वाच्य विरोधाभास, आंतरिक रूप से
विरोधाभास नहीं

अंधा हूँ फिर भी मैं आपको देखता हूँ

h. अतन्वय -

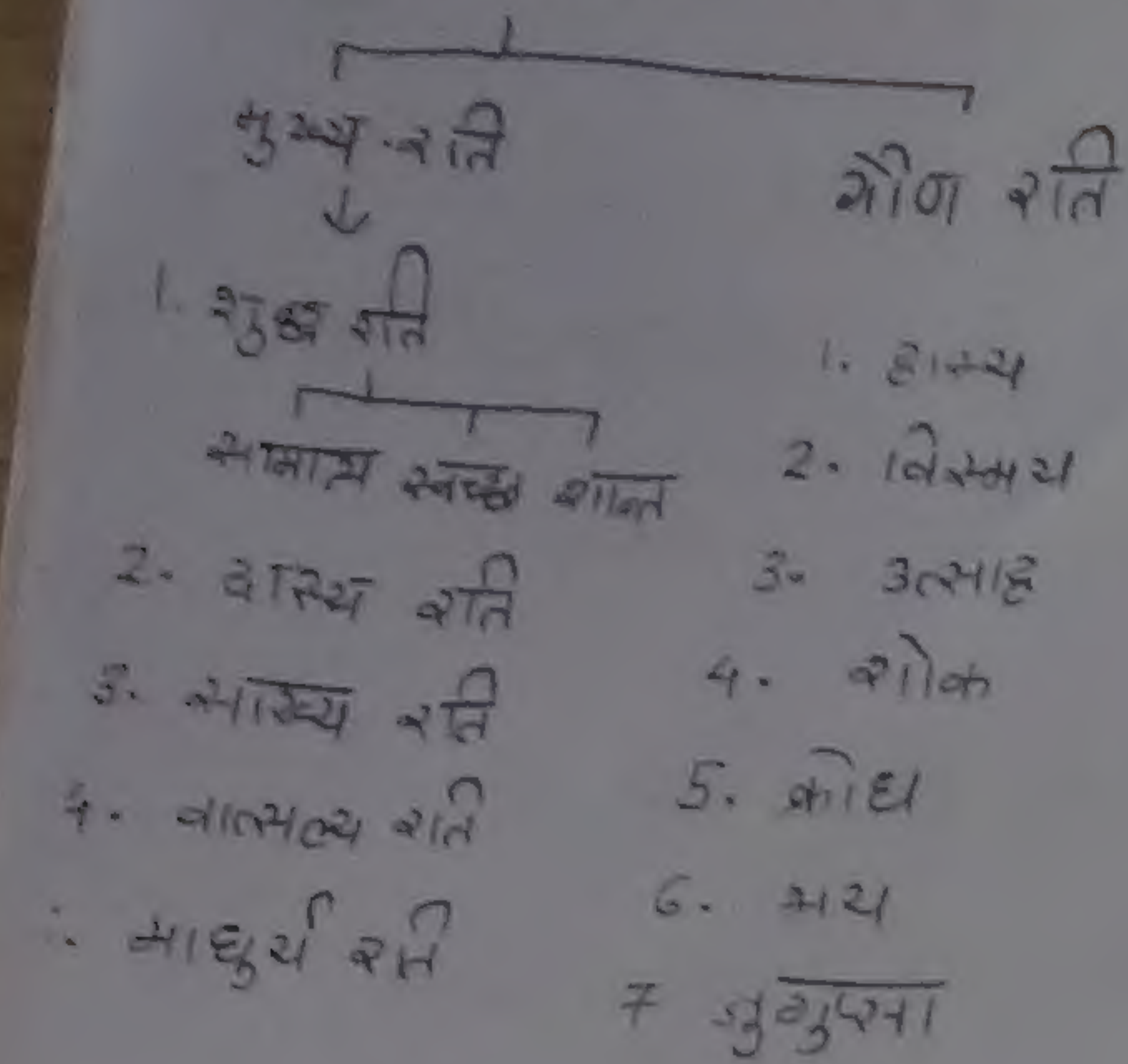
उपमेय < उपमान

माँ देखी माँ

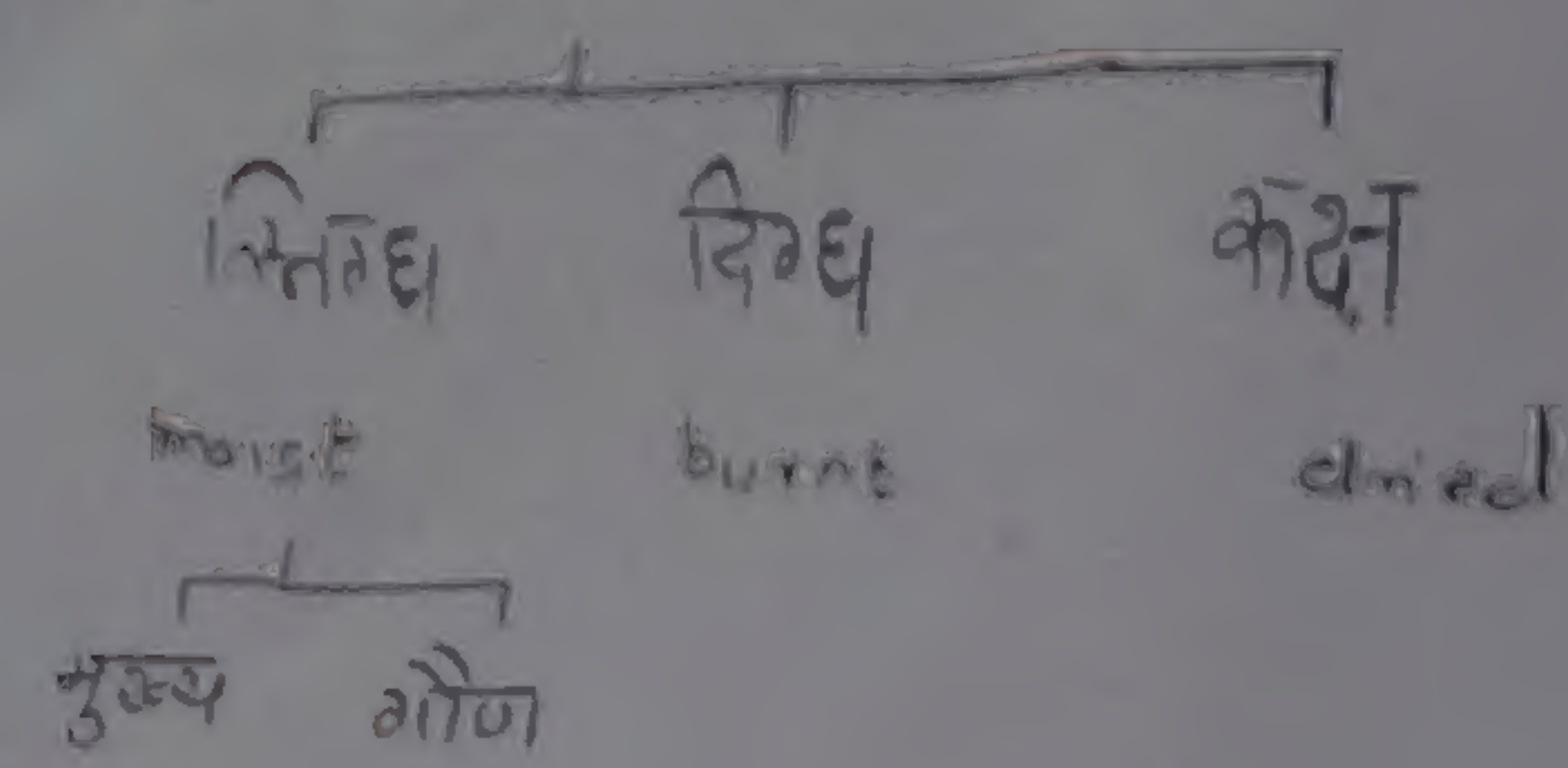
e. मानवीकरण

जब जड़ पदार्थों और प्रकृति के अंग
(नदी, पर्वत, पेड़, हवा, पत्थर...) आदि
पर मानवीय क्रियाओं का आरोप
लगाया जाता है।

1. સ્થાયી ભાવ



D. આત્મિક ભાવ



અદ્ય સાત્ત્વિક ભાવ

1. स्तम्भ
2. त्वेद
3. रोमाञ्च
4. स्वर भेद
5. कम्प
6. वैनर्ष
7. अङ्गु
8. मलय

६ व्यभिचारी / संचारी भाव

- 33 लक्ष्मी

1. निर्विषादः (disappointment) 16. आत्मसंयमः (self-control)
2. विषादः (lamentation) 17. आसन्नः (nearness)
3. वैराग्यम्
4. विलापः (weeping)
5. अस्मिन् (in this)
6. अस्मिन् (in this)
7. अस्मिन् (in this)
8. अस्मिन् (in this)
9. अस्मिन् (in this)
10. अस्मिन् (in this)
11. अस्मिन् (in this)
12. अस्मिन् (in this)
13. अस्मिन् (in this)
14. अस्मिन् (in this)
15. अस्मिन् (in this)
16. अस्मिन् (in this)
17. अस्मिन् (in this)
18. अस्मिन् (in this)
19. अस्मिन् (in this)
20. अस्मिन् (in this)
21. अस्मिन् (in this)
22. अस्मिन् (in this)
23. अस्मिन् (in this)
24. अस्मिन् (in this)
25. अस्मिन् (in this)
26. अस्मिन् (in this)
27. अस्मिन् (in this)
28. अस्मिन् (in this)
29. अस्मिन् (in this)
30. अस्मिन् (in this)
31. अस्मिन् (in this)
32. अस्मिन् (in this)
33. अस्मिन् (in this)

4 मकार की दशा

उत्पत्ति → संश्लेषण → शाखिल्य → शान्त
 generation conjunction aggregation coalescence

विभाजित							
अग्रगण्य							
विभाग							
वर्ग	आलम्बन	विषय	माध्यम	उद्दीपन	अनुभाव	साविक भाव	धार्मिक भाव
1. शान्ति	चतुर्भुज	आलम्बन	आलम्बन	उपनिषद्, आचार्य, आचार्य, वेदान्त, अष्टांग, गुलसी, गुलच	अव्युत्त जीवित, आचार्य, हस्त मुद्रा, सार्थता	समस्त, रोमाञ्च, स्नेह, कम्प	धार्मिक भाव, आचार्य भाव
2. अ	विष्णु	कृष्ण	देवता, आचार्य, पवित्र, अम्बु	कृष्ण कृपा, साद, मृते, footprints	attentive को को, अनसूय, नृत्य	all 8	all 33 except मि, भवे, प्रेम, अपस्मृति, आलम्ब, उदता, आमर्ष, अम्बु, निम्ब
3. गौरव	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण, कृष्ण	कृष्ण's kindness, His smile	sitting on throne, following orders, सम्भार	all 8	all 33 except मि, भवे, प्रेम, अपस्मृति, आलम्ब, उदता, आमर्ष, अम्बु, निम्ब
4. वात्सल्य	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण, कृष्ण	कृष्ण's age, child hood	putting कृष्ण, blessing, chaste ring	all 8 + milk showing from breasts	all except प्रेम, भवे, उदता
5. माधुर्य	कृष्ण	गोपी	मृते	exchange of smiles, side glances	all 8	all except उदता, आलम्ब	माधुर्य रस
6. अद्भुत	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	words of behavior of कृष्ण	vibration of nostrils, lips, chest	—	हर्ष, आलम्ब, अम्बु, हित
7. वीर	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण's astonishing activities	becoming astonished, and appreciative	समस्त, अम्बु, रोमाञ्च	चित्ता, हर्ष
8. वीर	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	challenge of opponent by showing threats, taking up weapons	opponents reply, takes up weapons roaring like lion, using angry words	all 8	गर्व, आवेग, धृति, हर्ष, उल्लुकाता, अम्बु, केमूति
9. वीर	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	seeing recipient of charity	giving more	—	वित्त, उल्लुकाता, हर्ष
10. वीर	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	distress of the object of compassion	giving more life, protecting	—	उल्लुकाता, मति, हर्ष
11. वीर	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	Heavenly Scriptures	moral conduct, sense control	—	अम्बु, मति
12. कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	those who witness tragic situations	regret, heavy breathing, beating one's chest	—	आलम्ब, निर्वेद, उदता, वैद्य, चित्ता, विषाद, चपलता
13. शैव	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	Sarcastic remarks, insulting words	Rubbing hands, clacking teeth, scratching arms	all 8	all 33
14. भयानक	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	one who has offended कृष्ण	movements of the demons eye, brows	all 8 except अम्बु	प्रेम, मृति, चपलता, आवेग, उल्लुकाता, विषाद, मोह, अपस्मृति
15. विमल	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	various distasteful objects	spitting on thoughts of past deeds, washing hands	कम्प, रोमाञ्च, स्वेद	क्रिडा, प्रेम, उदता, मोह, विषाद, वैद्य, उल्लुकाता, चपलता, उल्लुकाता, जडता